केन्द्रीय विद्यालय ए.एफ.एस चाँदीनगर, बागपत{यू.पी}

KENDRIYA VIDYALAYA

A.F.S CHANDINAGAR BAGHPAT U.P-250615

An AUTONOMOUS BODY (UNDER MINISTRY of EDUCATION)

mail id -kvafschandinagarup@gmail.com , Ph.no- 0121-2274466

SCHOOL MAGAZINE

2022-23

CHIEF PATRON

Mr. C. S. Azad

Deputy Commissioner,

KVS, Regional Office, Agra

Sh. M.L Mishra.

Assistant Commissioner

KVS RO AGRA

Patron

Mr. Sanjay

Principal

संपादक - मंडल

मुख्य संपादक

श्रीमती शीला रानी, स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेजी)

हिंदी अनुभाग - डॉ. प्रभा रस्तोगी, स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी)

संस्कृत अनुभाग - श्री मामराज राय, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (संस्कृत)

अंग्रेजी अनुभाग -श्री संतोष कुमार सिंह ,प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (अंग्रेजी)

कवर पेज डिजाइन - श्री अनीश अहमद, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय सगंठन / KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा / Regional Office, Agra
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त निकाय)
(An Autonomous Body under Ministry of Education, Govt. of India)
ग्रान्ड परेड रोड, आगरा छावनी / Grand Parade Road, Agra Cantt
आगरा (उ.प्र.) - 282001 / Agra (U.P.) - 282001
☎0562-2225530, 2225588, 2225523
Email:dckvsroagra@gmail.com
https://roagra.kvs.gov.in

सन्देश

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय, ए. एफ. एस. चांदीनगर द्वारा अपनी वार्षिक ई-पत्रिका का प्रकाशन करवाया जा रहा है। समग्र संभावनाओं से समन्वित बाल कलाकारों एवं सभी शिक्षकों के भाव एवं विचारों का प्रतिबिंब स्वरूप विद्यालय की वार्षिक ई-पत्रिका आपके समक्ष है । किसी भी विद्यालय की पत्रिका उस विद्यालय का दर्पण होती है। उसी से विद्यालय की सांस्कृतिक, शैक्षणिक, खेलकूद एवं अनेक रचनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक अभिरुचि का भी पता चलता है। विद्यालय पत्रिका इस बात का प्रमाण है कि शिक्षार्थियों के समुचित सकारात्मक, सर्वांगीण एवं सृजनात्मक विकास हेतु विद्यालय परिवार प्रतिबद्ध है।

पत्रिका प्रकाशन पर मैं उन सभी अभिभावकों, शिक्षार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों, जिन्होंने पत्रिका हेतु अपनी रचनाएं एवं कलाकृतियाँ प्रकाशनार्थ देकर प्रोत्साहित किया है, उन सभी के प्रति विनम्र धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। पत्रिका के संपादक तथा संपादक मण्डल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ । इस ई-पत्रिका के प्रकाशन से छात्रों में निहित सृजनात्मक प्रतिभा उभर कर सामने आ सकेगी तथा इन्हीं बाल कलाकारों में से भविष्य में कुछ अच्छे चित्रकार, पत्रकार, लेखक व कवि रुप में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब होंगे, यह मेरा सहज विश्वास है।

स्वामी विवेकानंद जी के शब्दों में-

"उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए। "

शुभकामनाएं।

(चन्द्रशेखर आजाद)
उपायुक्त

GARUD

प्रहार से सुरक्षा

THE SPECIAL FORCES

विंग कमांडर त्रिलोक शर्मा

Wing Commander Trilok Sharma

कमान्डेन्ट

Commandant

Tele	:	0121-2274804 (O)
Exch	:	0121-2274456/457
Extn	:	201 (O) / 241 (R)
VOIP	:	2328-7200 (O) / 6200 (R)
Mobile	:	9675353575, 8306763575

Garud Regimental Training Centre
Air Force Station, Chandinagar
PO : Dhikoli
Dist : Baghpat (UP)
Pin : 250615

CHAIRMAN'S MESSAGE

It is a matter of great honour to be part of e-Patrika of our Kendriya Vidyalaya, Air Force Station Chandinagar.

The publishing of this e-Patrika is a medium of exchange of knowledge and information. I hope and wish that students and teachers use their time at hand more creatively and contribute in a more constructive manner for holistic development of the students.

I wish to extend my best wishes to all our teachers, students and parents/guardians on this occasion. I solicit their continued hard work and support so that our Vidyalaya flourishes, surmounting all obstacles. I am sanguine that in coming times the Vidyalaya will soar to new pinnacles and achieve greater height par excellence in academics, making our nation much stronger.

प्राचार्य की कलम से

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि विद्यालय सत्र 2022-23 के लिए अपनी विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। यह पत्रिका केंद्रीय विद्यालय, वायु सेना स्टेशन, चांदीनगर के युवा छात्रों की क्षमता और अभिनव कल्पना को चित्रित करती है।हम सभी जानते हैं कि केन्द्रीय विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। केन्द्रीय विद्यालय, एएफएस चांदीनगर भी हमारे छात्रों को शिक्षा, खेल और खेल, स्काउट और गाइड गतिविधियों आदि के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। स्कूल प्रत्येक छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। .

यह शिक्षकों और छात्रों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि इस वर्ष भी सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। मैं बोर्ड कक्षाओं में उल्लेखनीय परिणाम दिखाने के लिए कर्मचारियों और छात्रों को बधाई देता हूँ।

कक्षा शिक्षण में भी छात्रों के बीच सीसीटी आधारित दक्षताओं को विकसित करने के लिए एनईपी 2020 के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन केवल छात्रों के कुछ चित्रों को कागज पर उतारना नहीं है, बल्कि यह आजादी का अमृत महोत्सव और एक भारत श्रेष्ठ भारत की दृष्टि को ढेर सारी गतिविधियों के माध्यम से शामिल करता है, जो छात्रों और कर्मचारियों को एक समृद्ध शैक्षिक अनुभव प्रदान करता है, विशेष रूप से उनके सौंदर्य बोध को। मुझे विश्वास है कि विद्यालय पत्रिका, जो हमेशा समग्र कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्रीय विद्यालय एएफएस चांदीनगर में तैयार की गई युवा प्रतिभाओं को व्यक्त करने का एक माध्यम है, निश्चित रूप से छात्रों को अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से पढ़ने, लिखने और सोचने के कौशल का इष्टतम अवसर देकर लाभान्वित करेगी। विद्यालय उन्हें सीसीटी के 21वीं सदी के कौशल के अनुकूल शिक्षा प्रदान करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

एक बार फिर, मैं ई-विद्यालय पत्रिका के ऑनलाइन संस्करण को लाने के लिए संपादकीय बोर्ड की सराहना करता हूँऔर उन्हें बधाई देता हूँ।

मैं उपायुक्त, केवीएस आगरा संभाग , और अध्यक्ष, वीएमसी को उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए दिल की गहराई से धन्यवाद देता हूँ।

मैं सभी के सुखद पढ़ने की कामना करता हूँ!

श्री संजय
(प्राचार्य)

संपादकीय

प्रिय पाठक, सत्र 2022-23 के लिए ई-पत्रिका का नया संस्करण हम सभी के द्वारा संजोए जाने के लिए तैयार है -यह स्कूल के विकास और सत्र के दौरान छात्रों द्वारा की गई प्रगति को प्रदर्शित करता है। इस तथ्य से इंकार न करते हुए कि यह वर्तमान पीढ़ी के छात्रों की रचनात्मक खोज का एक सच्चा प्रकटीकरण है, यह आभासी प्रकाशन उनकी कल्पना को दिखाने का मंच है। शैक्षणिक अध्ययन के साथ, छात्रों को सार्वजनिक भाषण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि मंच , कला और शिल्प गतिविधियों, विज्ञान क्लबों, सीसीटी कौशल, प्रकृति देखभाल, अरुणाचल प्रदेश के युग्मित राज्य से संबंधित ईबीएसबी गतिविधियों को किया जा सके ताकि छात्र सक्षम नेता बन सकें। आजादी का अमृत महोत्सव गतिविधियां एक भारत श्रेष्ठ भारत का पूर्ण जीवन-पर्याय हैं। केन्द्रीय विद्यालय एएफएस चांदीनगर के छात्रों ने रचनात्मक अभिव्यक्ति के कुछ अद्भुत नमूने पेश किए हैं, इस प्रकार अपनी नवीन सोच और लेखन कौशल को सर्वश्रेष्ठ रूप से प्रदर्शित किया है। बेशक, इस संस्करण में शामिल कार्य बेहद खास हैं। पत्रिका, निश्चित रूप से उत्सुक पाठकों को एक बच्चे की विचार प्रक्रिया और उसकी स्वयंसिद्ध रचनात्मक सोच की सराहना करने का अवसर प्रदान करेगी। इन उत्साही युवा लेखकों, चित्रकारों, विचारकों और वैज्ञानिकों को कहानियों, कविताओं, और चुटकुलों, रंगों, परियोजनाओं और कई गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा को व्यक्त करते देखना वास्तव में एक रोमांचक अनुभव है, जो समय-समय पर उनके कौशल को निखारने के लिए आयोजित किए जाते हैं। स्कूल पत्रिका का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रकाशन प्रधानाचार्य संजय सर के कुशल मार्गदर्शन, बहुत ईमानदार संपादकीय टीम, समर्पित शिक्षकों और स्कूल के युवा और गतिशील छात्रों के कारण संभव हो पाया है। मैं एक बार फिर उन सभी छात्रों की निरंतर कड़ी मेहनत को स्वीकार करती हूँ जिनके योगदान ने इस ई-पत्रिका को उनके वास्तविक जीवन के अनुभव से समृद्ध बनाया है। अंत में, इस संपादकीय मंडल की पूरी टीम की ओर से, मैं सभी पाठकों को सुखद पठन की कामनाकरती हूँ!

(श्रीमती शीला रानी)

स्नातकोत्तर शिक्षक अंग्रेजी(मुख्य संपादक)

वार्षिक रिपोर्ट:2022-23

शैक्षिक प्रदर्शन-

वर्तमान में विद्यालय प्रशिक्षित और समर्पित शिक्षकों और अनुशासित छात्रों की एक टीम के साथ धन्य है जिसने निम्नलिखित परिणाम उत्पन्न किए हैं:

परीक्षा 2022-23 का परिणाम-

S.N.	Class	Students appeared	Students passed	Pass percentage
01	I	37	37	100
02	II	41	41	100
03	III	39	39	100
04	IV	42	42	100
05	V	39	39	100
06	VI	38	38	100
07	VII	39	39	100
08	VIII	39	39	100
09	IX	39	32	82.05
10	X	34	Result awaited	
11	XI	14	9	64.3
12	XII	9	Result awaited	

बोर्ड कक्षा 12वीं में सत्र 2021-22 में कुल 09 छात्र बारहवीं में सम्मिलित हुए तथा सभी 09 छात्र उत्तीर्ण हुए। नतीजा शत प्रतिशत रहा। इसी तरह दसवीं का भी परिणाम शत प्रतिशत रहा विद्यालय में कक्षा-बारहवीं की शुरुआत के बाद से यह तीसरी बार है जब कक्षा-बारहवीं का परिणाम दो वर्षों से लगातार शत प्रतिशत रहा है। अन्य क्षेत्रों में भी स्कूल नई ऊंचाईयों को छू रहा है।

खेल और अन्य गतिविधियाँ

हमारे छात्रों के शैक्षिक विकास के अलावा, केवीएस छात्रों के व्यक्तित्व के अन्य महत्वपूर्ण गुणों के विकास पर ध्यान केंद्रित करता है और समान रूप से ध्यान देता है। खेल, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनियों, भाषा विकास गतिविधियों, ओलंपियाड, स्काउट और गाइड आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन पूरे सत्र में विद्यालय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है। इन सभी गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य हमारे छात्रों को उनके समग्र विकास के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना है। इनमें से प्रमुख है खेल-कूद। हमेशा की तरह, हमारे विद्यालय के छात्रों ने हर साल इस क्षेत्र में नए मील के पत्थर हासिल किए ।

51st KVS SPORTS MEET (क्षेत्रीय खेल दिवस परिणाम)–

U-14 KABADDI WINNER TEAM ,KVAFS CHANDINAGAR

अंडर-14 कबड्डी स्वर्ण पदक

अंडर-17 ट्रिपल जंप में स्वर्ण पदक

अंडर-14 गोला फेंक में स्वर्ण पदक

अंडर-17 निशानेबाजी में कांस्य पदक

कुल क्षेत्रीय प्रतिभागी 14 ,राष्ट्रीय चयन 14

CASH PRIZE FOR KABADDI TEAM

निम्नलिखित छात्रों को कबड्डी में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु निम्नलिखित पारितोषिक धनराशी, केंद्रीय विद्यालय संगठन की तरफ से दी गयी |

NAME	**AMOUNT in Rupees**
AKSHAY KUMAR	2000/-
VIPRAY YADAV	5000/-
AKSHIT DHAKA	5000/-
VASU DEV	5000/-
PRIYANSHU	5000/-
VANSH DIXIT	5000/-
AAHAD	5000/-
GANGA SAGAR TYAGI	5000/-
ABDUL ASAD	5000/-
VANSH	5000/-
VISHESH DAGAR	5000/-
NISHANT	5000/-
TARUN	10000/-
TANISHQ	8000/-
TOTAL	75000/-

राष्ट्रीय खेल परिणाम: –

अंडर-14 कबड्डी स्वर्ण पदक

अंडर-14 गोला फेंक में स्वर्ण पदक

अंडर-17 निशानेबाजी में रजत पदक

अंडर-17 रिले 4x100 कांस्य पदक

महात्मा गांधी की 15वीं जयंती मनाने के दौरान, छात्रों ने सर्वधर्म प्रार्थना, श्रमदान, सामुदायिक सद्भाव, स्वदेशी अपनाओ, रन फॉर यूनिटी, स्वच्छता पखवाड़ा, रन फॉर पीस एंड यूनिटी जैसी सभी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विद्यालय स्तर पर प्लॉगिंग का आयोजन किया गया।

प्राथमिक विभाग - केंद्रीय विद्यालय एएफएस चांदीनगर में फन डे और बाला की अवधारणा पर बल दिया जा रहा है। प्राथमिक शिक्षकों को एनसीपीसीआर अधिनियम, बाला के उपयोग से परिचित कराया गया | निपुन भारत , एनईपी, ब्लू प्रिंट, बच्चे के विभिन्न स्तरों को ध्यान में रखते हुए प्रश्न पत्र तैयार करना, शिक्षकों को एसओपी और अन्य सुरक्षा उपायों से परिचित कराया गया। फन डे ,भाषा संगम, टीचर्स टॉक, न्यूज, निर्धारित दिनों के दौरान किया जा रहा है।

किशोरों की समस्याओं के समाधान के लिए समय-समय पर एईपी-किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय एकता की भावना का जश्न मनाने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम शुरू किया गया है। जोड़ीदार राज्य अरुणाचल प्रदेश से संबंधित महीनेवार गतिविधियां भारतीय राज्यों की भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं की अनूठी सिम्फनी को चिह्नित करती हैं। छात्रों ने अरुणाचल प्रदेश की कहावतों, अक्षरों, लोक गीतों और लोक नृत्यों के बारे में सीखा।

जनवरी के महीने में अरुणाचल प्रदेश की संस्कृति से लेकर अरुणाचल प्रदेश की जलवायु स्थलाकृति तक डिस्प्ले बोर्डों की थीम आधारित सजावट को महीनेवार सजाया गया था। टॉकिंग टाइम - भागीदार राज्य पर नवीनतम समाचार प्रस्तुत किए गए थे।

भाषा संगम – सभी छात्रों को उस भाषा में वर्णमाला, कहावतों और 5 वाक्यों से अवगत कराया गया और साझेदार राज्य की भाषा में जोर से अक्षर पढ़े गए और अन्य छात्रों ने वक्ता का अनुसरण किया।

भागीदार राज्य के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए मॉर्निंग असेंबली में हर शुक्रवार को पार्टनरिंग स्टेट पर क्विज आयोजित किया गया था। विद्यार्थियों द्वारा प्रत्येक शनिवार को जल संरक्षण, स्वच्छता और सिंगल यूज प्लास्टिक विषय पर भागीदार राज्य की भाषा में शपथ पढ़ी गई।

छात्रों के बीच एकीकरण और एकता पैदा करने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ सांस्कृतिक प्रतियोगिता और लोक नृत्य आयोजित किए गए थे।

राज्य दिवस समारोह – अरुणाचल प्रदेश राज्य दिवस 20 फरवरी को केवीएस चांदीनगर में उत्साह और उत्साह के साथ मनाया गया। छात्रों ने भागीदार राज्य के लोक नृत्य और लोक गीत प्रस्तुत किए। लोक नृत्य प्रतियोगिता में कक्षा दूसरी से 11 वीं तक के छात्रों ने भाग लिया। अरुणाचल प्रदेश की परंपरा और संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए छात्रों द्वारा लोक नृत्य और लोक गीत प्रतियोगिता के बारे में श्री मामराज राय , टीजीटी संस्कृत, द्वारा लोक नृत्य की चर्चा की गई।

वाद-विवाद, भाषण, गायन प्रतियोगिता, निबंध लेखन आदि जैसी विभिन्न गतिविधियाँ, मातृ भाषा दिवस के दौरान आयोजित किया गया था। संस्कृत सप्ताह संस्कृत भाषा के प्रति प्रेम और सम्मान की भावना पैदा करने के लिए मनाया गया। इस दौरान स्लोगन, श्लोकपाठ , कहानी पाठ. संस्कृत प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया।

छात्रों के बीच भाषा के लिए एक प्यार और रुचि विकसित करने के लिए सितंबर के महीने में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया था। चित्रकला, नारा लेखन, गायन और नृत्य जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

प्राथमिक अनुभाग की सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ-

केंद्रीय विद्यालय पूरे वर्ष में कई सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों का आयोजन करता है। सह-पाठ्यचर्या गतिविधियां केवीएस में सर्वांगीण विकास और मनोबल को बढ़ावा देने के लिए एक वरदान हैं, वर्ष के लिए सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों की योजना बनाई गई है और छात्र डायरी में मुद्रित किया गया है। हमारे छात्रों ने पुरस्कार जीते हैं और कला में क्लस्टर और यहां तक कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में हमारे विद्यालय का नाम रोशन किया है। विभिन्न सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ अंग्रेजी सुलेख, हिंदी सुलेख, फैंसी ड्रेस, रंगोली बनाना, समूह गीत, कोलाज मेकिंग, बेस्ट ऑफ वेस्ट, कार्ड मेकिंग, क्विज़, स्पेल-बी, सलाद सजावट आदि हैं।

सीएमपी के तहत कई गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है यानी, कॉमन मिनिमम प्रोग्राम, जैसे बाल दिवस, दादा-दादी दिवस आदि। ये गतिविधियाँ बच्चे के समग्र विकास को बढ़ाती हैं और बच्चे को एक प्रदर्शन प्रदान करती हैं, इस प्रकार उसे उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित करती हैं।

शिक्षण और सीखने के उद्देश्य को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी कक्षा कक्षों को ई-लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए इंटरैक्टिव बोर्ड और एलसीडी प्रोजेक्टर से अच्छी तरह से सुसज्जित किया गया है।

छात्रों की सुरक्षा हमेशा से केवीएस की प्रमुख चिंता रही है। इसे सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय भवन में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिसमें प्रधान कार्यालय में एलईडी मॉनिटरिंग स्क्रीन लगाई गई है। छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा के सभी पहलुओं पर कड़ी नजर रखने के लिए एक सुरक्षा समिति का गठन किया गया है। शिक्षकों को उस समय से विभिन्न कर्तव्यों को सौंपा गया है जब छात्र कक्षाओं के अंत तक पहुंचने लगते हैं और जब छात्र चले जाते हैं।

यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि केवीएस ने एक लंबा सफर तय किया है और शिक्षा के क्षेत्र में एक गति निर्धारित करने वाले संगठन के रूप में खुद को साबित किया है। मैं इस अवसर पर केवीएस को उसके दृष्टिकोण और प्रेरणा के लिए धन्यवाद देता हूं, विशेष रूप से आगरा क्षेत्र के हमारे योग्य उपायुक्त श्री सीएस आजाद जिनके समर्थन के बिना हम उस ऊंचाई तक नहीं पहुंच सकते थे।

निरंतर अभ्यास और आत्मसविश्वाश से ही

आप एक महान खिलाड़ी बन सकते हैं।

Toppers of Class XII(Commerce Stream)2021-22

Sr. No.	Name of the Student and Percentage	Photo
1.	Palak Mittal, 92.4%	
2.	**Shivani,80.4%**	
3.	**Veshnavi,71.8%**	

Toppers Class X (2021-22)

Sr. No.	Name of the Student and Percentage	Photo
1.	Neeti Sharma,91.8%	
2.	Harsh Dhaka,90.4%	
3.	Soniya,89.4%	

World Cycle Day

MANODARPAN ACTIVITIES

EK BHARAT SHRESTHA BHARAT CORNER

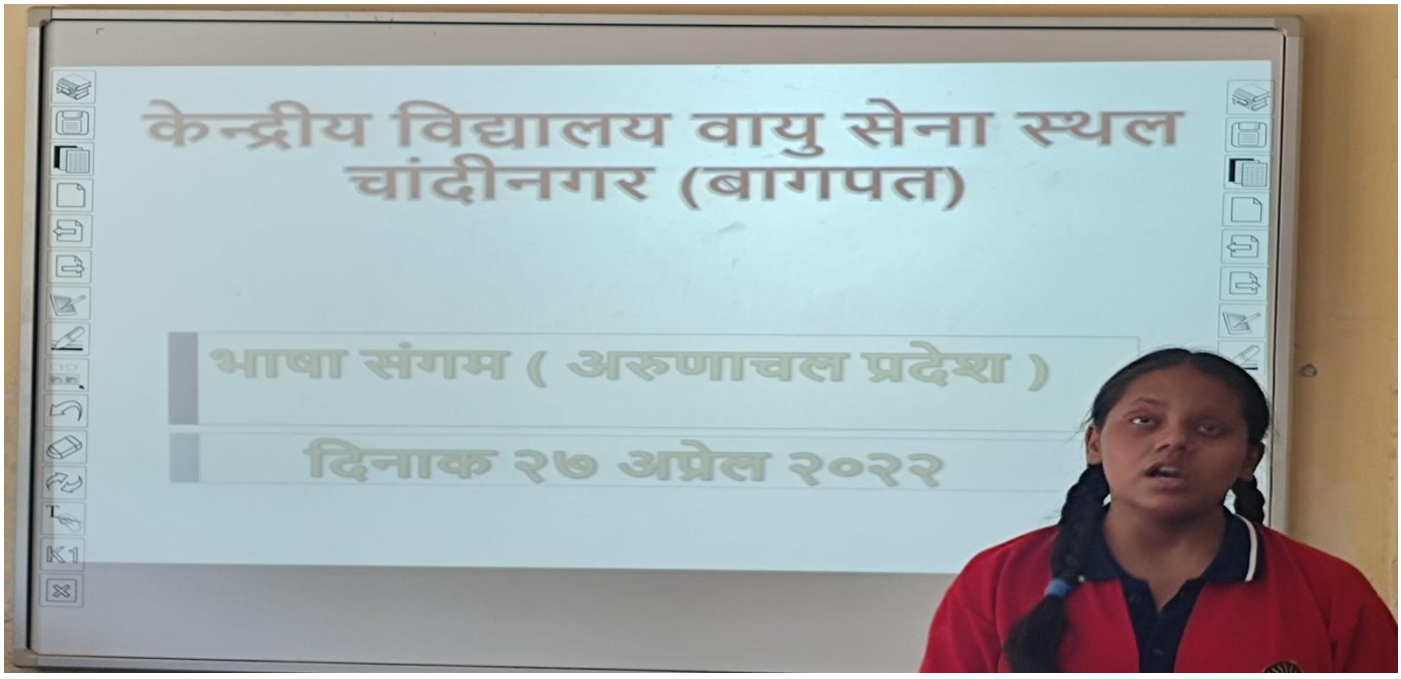

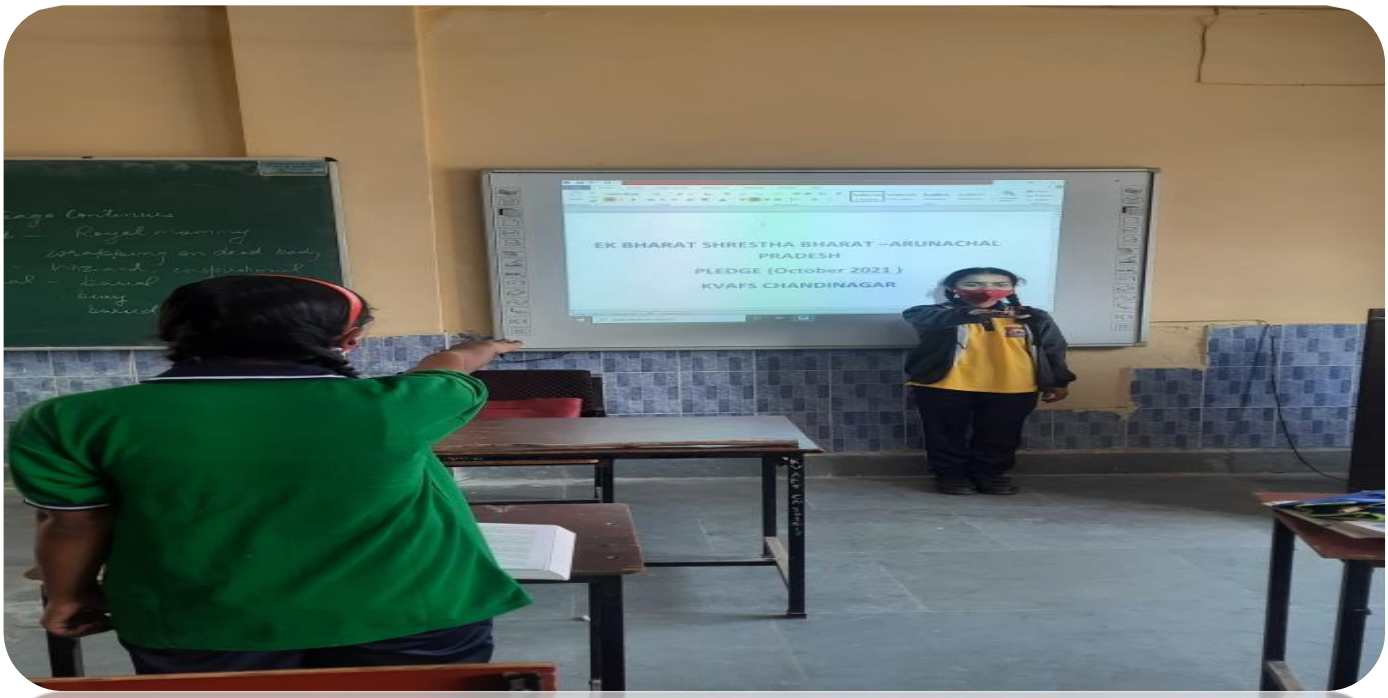
EK BHARAT SHRESTHA BHARAT –ARUNACHAL PRADESH
PLEDGE (October 2021)
KVAFS CHANDINAGAR

Showing video of
Sardar Vallabhbhai Patel
KV AFS CHANDINAGAR.

JAN UTSAV WEEK OCTOBER

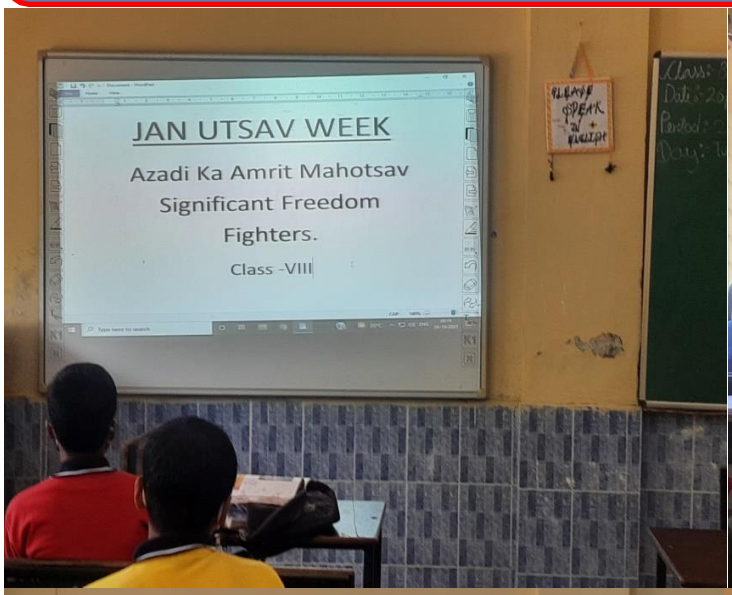

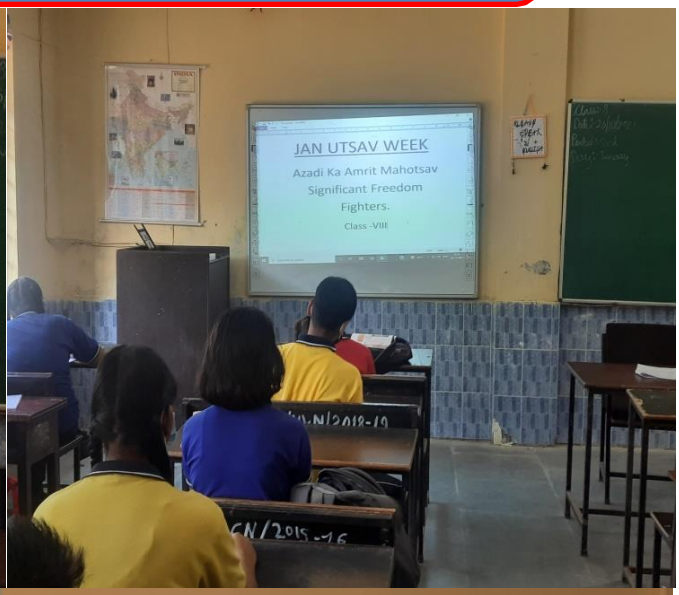

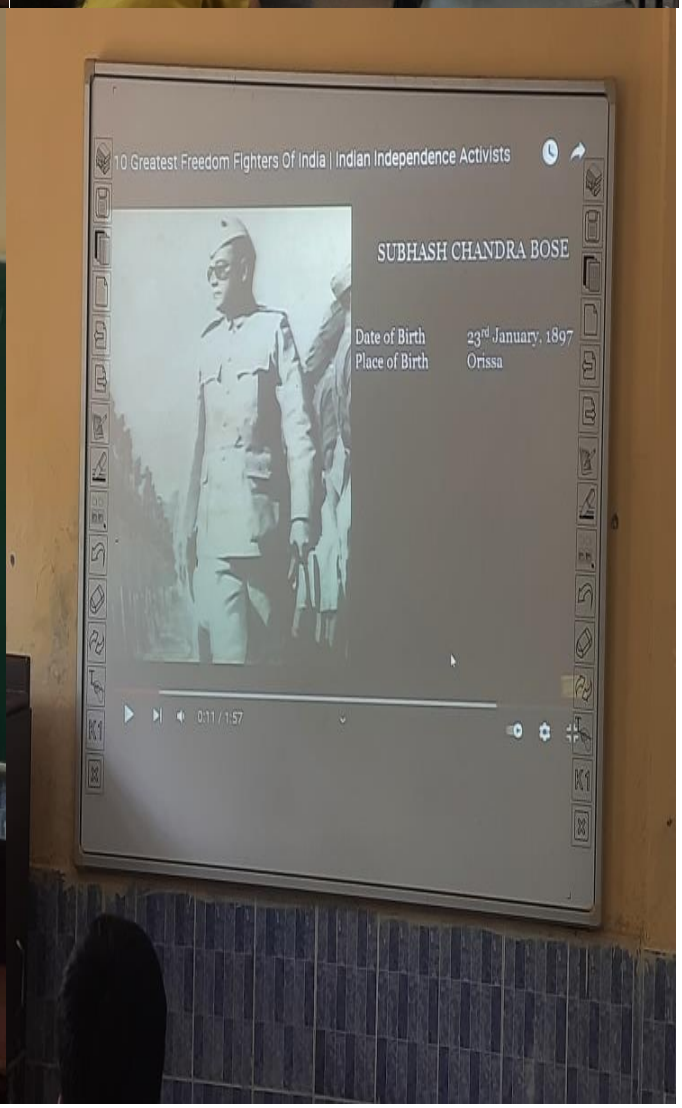

SWACHHATA PAKHWADA-PERSONAL HYGIENE-ACTIVITIES

Rashtriya Ekta Divas and Vigilance Awareness Programme

KVS FOUNDATION DAY CELEBRATION

Grand Parents Day Celebration

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION

Ministry of Culture
Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

CERTIFICATE
OF APPRECIATION

PROUDLY PRESENTED TO

Sunny sharma

FOR SUCCESSFULY UPLOADING A SELFIE,
AN INITIATIVE BY THE MINISTRY OF CULTURE TO MARK **AZADI KA AMRIT MAHOTSAV**

HAR GHAR TIRANGA

VIGILANCE AWARENESS WEEK

REPUBLIC DAY CELEBRATION

VARIOUS AWARENESS PROGRAMMES

EK BHARAT SHRESTHA BHARAT

CREATIVE CORNER

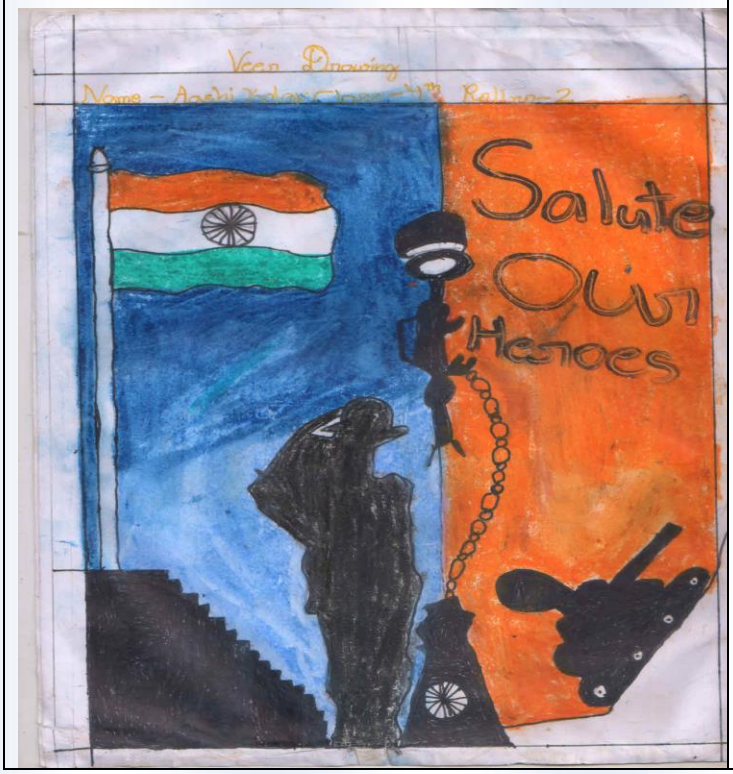

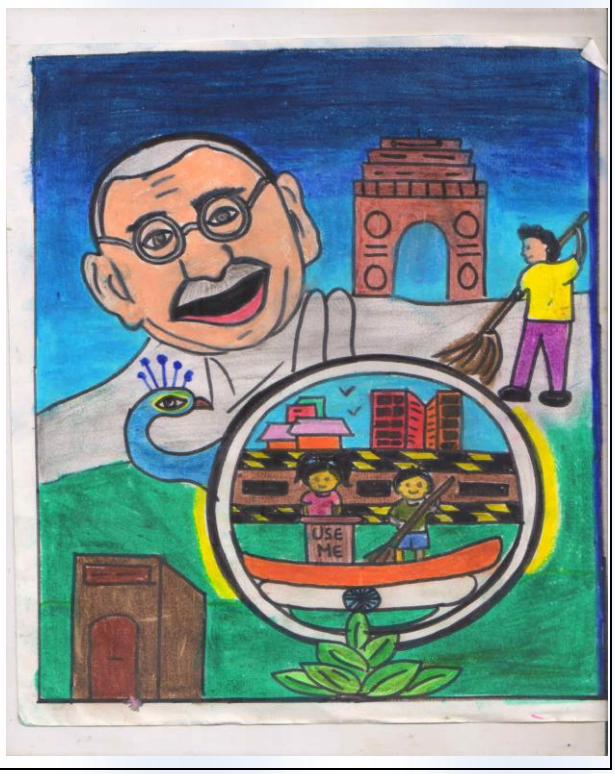

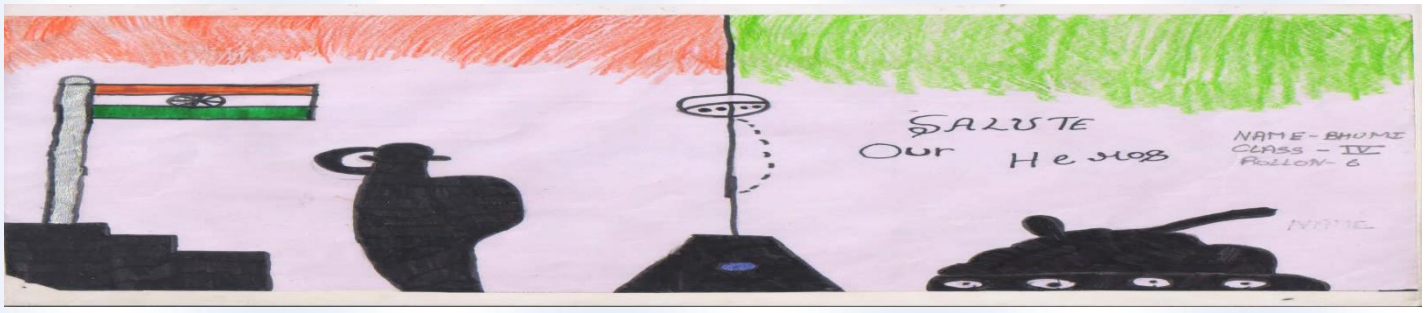

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS

PARIKSHA PE CHARCHA

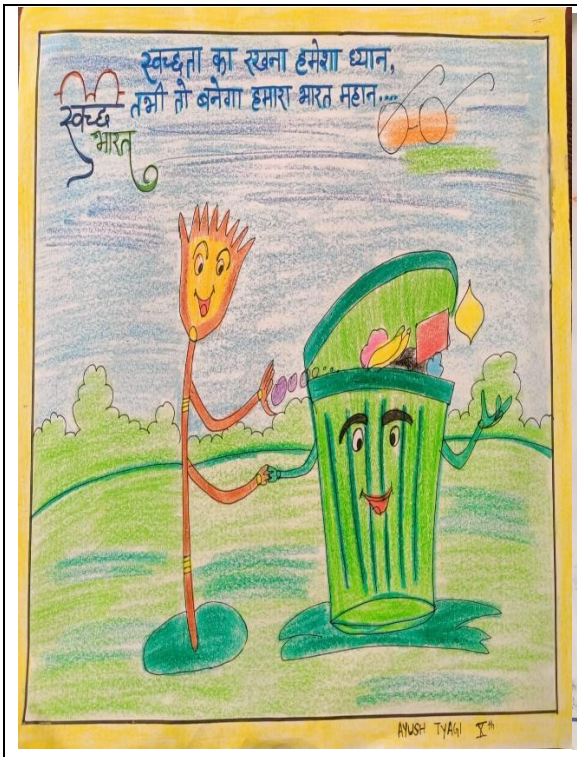

स्वच्छता का रखना हमेशा ध्यान,
तभी तो बनेगा हमारा भारत महान....
स्वच्छ भारत
AYUSH TYAGI I th

SWATCHTA PAKWHARA
CLEAN INDIA
GREEN INDIA

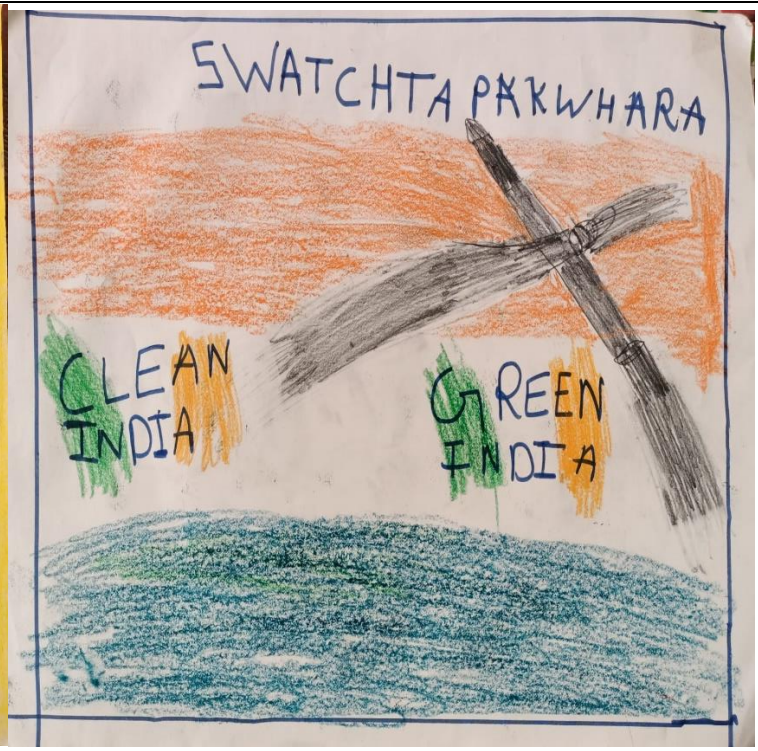

CLEAN INDIA
SAKSHI 6th
House
House.

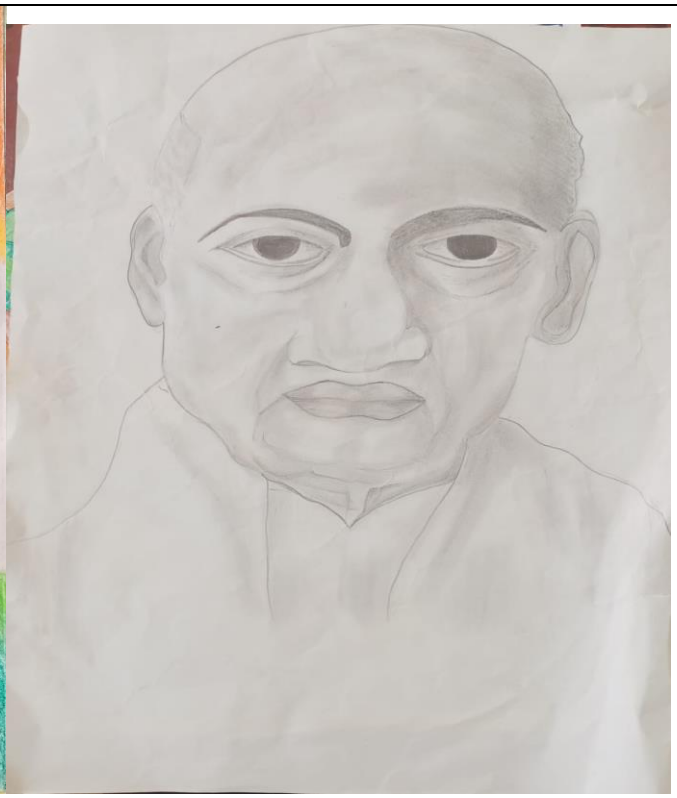

हिन्दी अनुविभाग

कोशिश कर

कोशिश कर, हल निकलेगा,
आज नहीं तो, कल निकलेगा|
अर्जुन सा लक्ष्य रख ,निशाना लगा,
मरुस्थल से भी फिर, जल निकलेगा|
मेहनत कर पौधों को पानी दे ,
बंजर में भी तेरे, फल निकलेगा |
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे
फौलाद का बन बल निकलेगा|
सीने में उम्मीदों को जिंदा रख
समंदर से भी गंगाजल निकलेगा |
कोशिश जारी रख कुछ कर गुजरने की
जो कुछ थमा थमा है चल निकलेगा|
कोशिश कर हल निकलेगा
आज नहीं तो कल निकलेगा

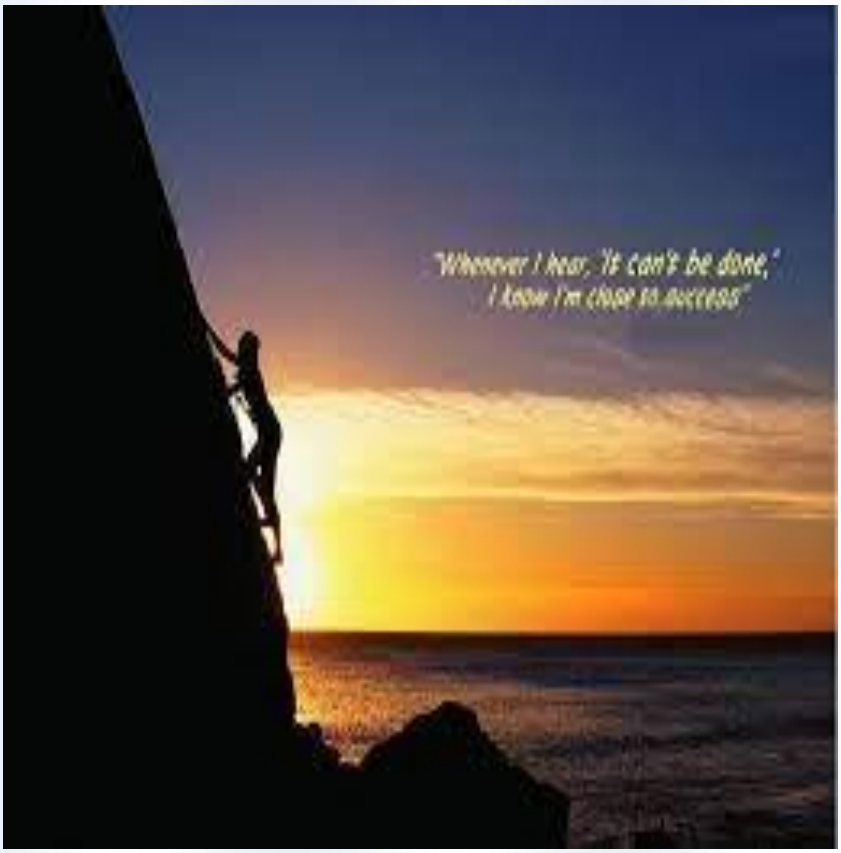

आयुष त्यागी
कक्षा दसवीं शिवाजी सदन

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाएं,
सही तरह चलना सिखाए |
माता पिता से पहले आता-
जीवन में सदा आदर पाता|
सबने मान, प्रतिष्ठा जिससे सीखी
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे|
कभी रहा ना दूर मैं जिससे ,
वह मेरा पथदर्शक है जो|
मेरे मन को भाता वह मेरा शिक्षक कहलाता|
कभी है शांत, कभी है धीरे,
स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रहे यह इच्छा,
काश मैं उस जैसा बन पाता जो मेरा शिक्षक कहलाता|

पर्यावरण पर निबंध

"धरा को पेड़ पौधों से सजाएं
पर्यावरण को सुरक्षित बनाएं"

प्रस्तावना -:

पर्यावरण शब्द का निर्माण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है, जिसमें "परि" का मतलब हमारे आसपास से है, और "आवरण" जो हमारे चारों ओर घेरे हुए हैं| सभी प्रकार के प्राकृतिक तत्व जो जीवन को संभव बनाते हैं जैसे– पानी, हवा, भूमि, प्रकाश, आग, जंगल, जानवर पेड़ इत्यादि|

पर्यावरण का हमारे जीवन में महत्व –

पर्यावरण का हमारे जीवन में बहुत महत्व है | हरे–भरे पेड़–पौधे हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं| प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है|

निष्कर्ष – पर्यावरण न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य का एक मां की तरह ख्याल रखता है| बल्कि हमें मानसिक रूप से सुख–शांति भी उपलब्ध करवाता है |पर्यावरण पर निर्भर हमारा यह जीवन बनाए रखने के लिए हमें पर्यावरण की वास्तविकता को बनाए रखना होगा|

आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी का अमृत महोत्सव मनाएं |
जन गण मन सब मिलकर
राष्ट्रीय चेतना की अलख जगाएं |
भारत भूमि की स्वर्ण पताकाएँ |
हम सब मिलकर लहराए |
गीता कुरान बाइबल की
गौरव गाथा सब को सुनाएँ |
वीर भाग्य वसुंधरा की
महिमा को सब मिलकर गाएं|
शहीदों की पुण्य स्मृति में
आओ सब मिलकर दीप जलाएं|
आजाद, सुभाष, भगत सिंह के
पद चिन्हों पर चलते जाएं|
नेहरू, गांधी, सावरकर की
भावभूमि सब तक पहुंचाएं |
भारत के सब जन मिलकर
देश प्रेम की अलख जगाएं|
आओ हम सब मिलकर
आजादी का अमृत महोत्सव मनाए|

अथर्व कक्षा १०

जिंदगी

जो छूट गया उसका क्या मलाल करें,
जो हासिंल है चल उससे ही सवाल करें|
बहुत दूर तक जाते हैं, यादों के काफिले ,
फिर क्यों पुरानी यादों में सुबह से शाम करें |
माना कि एक कमी सी है, जिंदगी थमी सी है,
पर क्यों दिल की धड़कनों को दर–किनार करें|
मिल ही जाएगा जीने का कोई नया बहाना,
आ जरा इत्मिनान से किसी खास का इंतजार करें

रिया त्यागी कक्षा ९

शहर

शहर को तोड़ कर
एक घर बना लिया,
अपनों को छोड़ कर
गैरों को अपना लिया|
स्वयं की खोज में
औरों को गँवा दिया,
एक की गलती ने
हजारों को मिटा दिया,
कल की चाह में
आज भुला दिया
इस कलयुग ने
गिरे हुए को उठा दिया |

वंश क्लास 8 रोल नंबर 36

हंस और उल्लू

बहुत समय पहले, एक झील के किनारे एक हंस रहता था| एक उल्लू भी वहीं आकर रहने लगा | ये दोनों साथ में खुशी,खुशी रहने लगे- जब गर्मियों का मौसम आया, तो उल्लू वापस अपने घर जाने के बारे में सोचने लगा| उसने हंस से भी साथ चलने को कहा, हंस बोला" , जब नदी सूख जाएगी, तो मैं तुम्हारे पास आ जाऊंगा " जब नदी सूख गई तो हंस उल्लू के पास उसके बरगद के पेड़ पर पहुंच गया| हंस जल्दी से जाता , तभी कुछ राहगीर वहां से निकले और आराम करने के लिए उसी पेड़ के नीचे बैठ गए |उन राहगीरों को देखकर, उल्लू जोर से चिल्लाया, राहगीरों ने इसे अपशकुन माना और उल्लू पर तीर निशाना मार दिया |उल्लू को तो अंधेरे में दिखता था, इसलिए वह तीर से बच गया और उड़ गया| उसके बदले में वह तीर हंस को लग गया और वह मर गया | इसी कारण सही कहा गया है कि नयी जगह पर हमेशा सतर्क रहना चाहिए |

शगुन कक्षा ६

शिक्षा

अगर आप एक पुरुष को शिक्षित
करते हैं तो आप सिर्फ
एक पुरुष को शिक्षित करते हैं
लेकिन अगर आप एक ही स्त्री को
शिक्षित करते हैं तो आप एक पूरी
पीढ़ी को शिक्षित करते हैं -

बर्किंघम

जो माता व पिता अपने बच्चों को शिक्षा नहीं देते हैं
वो तो बच्चों के शत्रु के समान हैं, क्योंकि वह विद्या हीन
बालक विद्वानों की सभा में वैसे ही तिरस्कृत किए जाते हैं जैसे हंसों की सभा में बुगले
–

चाणक्य

एक विचार लो, उस विचार को अपना जीवन बना लो, उसके बारे में सोचो, उसके सपने देखो ,उस विचार को जियो, अपने मस्तिष्क मांसपेशियों, नसों, शरीर के हर हिस्से को उस विचार में डूब जाने दो और बाकी सभी विचार को किनारे कर दो ,
यही सफल होने का एकमात्र तरीका है –

स्वामी विवेकानंद

खुशी खान कक्षा ९

बुजुर्गो की आंखों में पानी न देना

तुम्हें प्यार से जिसने पाला, संभाला
खिलाया था हाथों से पहला निवाला
तुम्हारे लिए ही पसीना बहाया
तुम्हारे लिए ही कमाया, बचाया
वो दीवारों–दर जिसमें सपने सजाए
उसी घर में वो हो गए हैं पराए
दुखाये जो दिल वो निशानी न देना
बुजुर्गों की आंखों में पानी न देना ३* [
सहारे से उंगली पकड़कर चलाना
वो बाहों का झूला ना तुम भूल जाना
तुम्हारे लिए कैसे दिन रात जागे
तुम्हारी इक आवाज सुनकर वो भागे
निछावर तुम्हारे लिए जान कर दी
कमाई खिलौनों पे कुर्बान कर दी
हकीकत के बदले कहानी न देना
बुजुर्गों की आंखों में पानी न देना *[३

सपना कक्षा १०

झूठी शान

खुशियाँ कम और अरमान बहुत है,
जिसे देखो परेशान बहुत हैं|
करीब से देखा तो निकला रेत का घर,
मगर दूर से इसकी शान बहुत है,
कहते है सच का कोई मुकाबला नहीं,
मगर आज झूठ की पहचान बहुत है
मुश्किल से मिलता है शहर में आदमी,
यूं तो कहने को इंसान बहुत है|

वंशिका कक्षा ७

जीभ से सीख

नापसंद है कुदरत को सख्ती ब्यान में,
पैदा हुई है न हड्डी इसलिए जुबान में|
तलवार रखी जाती है म्यान में ,
लेकिन पीड़ा पहुँचाती है ,मैदान में|
जीभ छिपी रहती है ,तहखाने में,
मगर दुःख पहुचाती है , मैखाने में|
यदि गहरी है इसकी चोट,
तो लीजिये मोर्चो की ओट |
अन्यथा मिला देगी ये कब्रिस्तान में,
और फिर रेगिस्तान में|
रखिये स्मृति में यार,
तीखी है बहुत इसकी धार|
कहे विप्रय बात पराई ,पीर पराई,
सुनकर सोच समझकर बोलिए भाई|
इस जीभ को नियंत्रण में रखिये साईं|

विप्रय कक्षा ८

मेरी नजर

जिंदगी जी लेना इतना आसान नही,
जीवन व्यर्थ हैं अगर तुम्हारी कोई पहचान नही|
ईमानदारी जिसके दामन में रही हो हमेशा,
ललचाता उसे कोई रिश्ता या इनाम नही|
कुछ लोग कसूर करके अनजान बन जाते है,
ऐसे लोगो का होता कोई ईमान नहीं|
जो कुर्बान होते हैं , देश की आन पर,
मिटता कभी उनका नाम नहीं|
खुशगवारी जिसके रंग में बसी हो,
मायूसिया उनकी मेहमान नहीं|
कुछ ऐसे व्यक्तित्व होते हैं जिंदगी में,
जिनका स्थापन्न आसान नहीं|
चिराग बनकर जलना है ,मुझे हमेशा|
इससे नेक दुनिया में कोई काम नहीं,
असफलता भी सबको सबक देती है|
सीखे उससे ,करें कभी कोई आराम नहीं
आस्तीन के सांप दुनिया में बहुत है मगर,
दोस्ती जैसी कोई पैगाम नहीं |

पलक यादव कक्षा ७

माँ

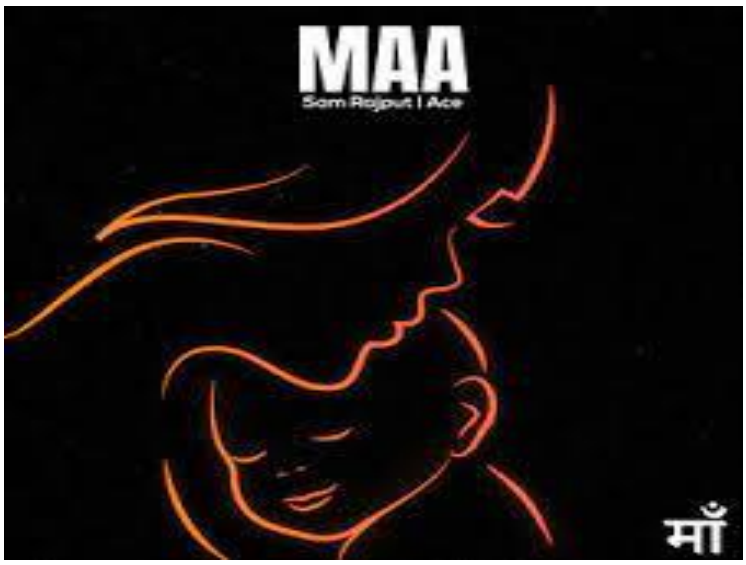

घुटनों से रेंगते-रेंगते,
कब पैरो पर खड़ा हुआ,
तेरी ममता की छाँव में,
जाने कब बड़ा हुआ...
काला टीका दूध मलाई
आज भी सब कुछ वैसा है,
मैं ही मैं हूँ हर जगह,
माँ प्यार ये तेरा कैसा है?
सीधा -साधा भोला-भाला,
मैं ही सबसे अच्छा हूँ
कितना भी हो जाऊं बड़ा,
“माँ ”मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ...

लविश यादव कक्षा ७

हौंसला

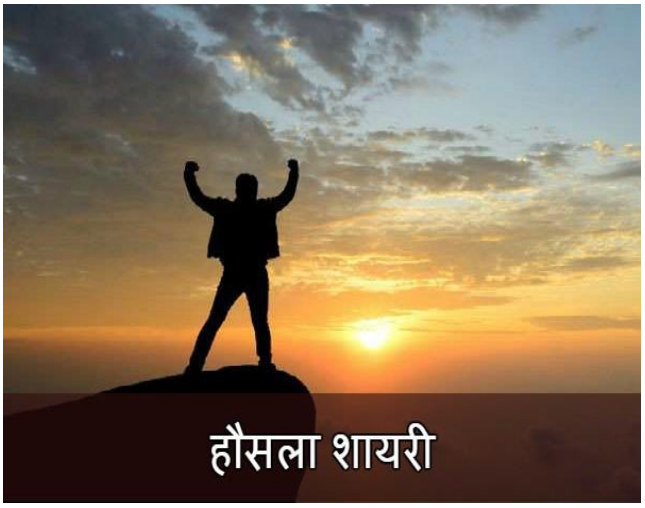

जिनका हौसला कुछ कर गुजरने का हो,
वो डरते नहीं ! तूफान से|
उम्मीद जिनके दिल में घर कर गयी,
उन्हें फ़र्क नहीं पड़ता चट्टान से|
हो इरादे जिनके फौलाद के
वो खेल जाते है अपनी जान से|
सपने यदि कामयाबी के हो तो,
यह भी कम नहीं किसी वरदान से|
सफ़र जो पूरा करे कदम जमा कर,
उन्हें मतलब नहीं होता किसी थकान से|
संघर्ष करते रहना ही ज़िन्दगी है,
इसमें हासिल नहीं होता कुछ भी आराम से|

हिमांशु कक्षा ७

प्राणवायु

पेड़ सहकर धुप खुद
देते सभी को छाँव अपनी,
मदद करने को बढ़ाते
डालियों-सी बांह अपनी|
खींचते रहते निरंतर
ये हवा गन्दी हमारी,
है हमें मिलती इन्ही से
प्राणवायु विशुद्ध सारी|
सींचते धरती हमारी
बादलो को भी बुलाते,
जल बरसाता -खेत – उपवन
वन सभी हैं लहलाते|
जाएँ उनको काटते ही,
तो मिलेगी छाँव कैसे?
प्राणवायु नहीं मिली,
तो ज़िन्दगी चलेगी कैसे ?

जानवी कक्षा ८

आर्टिकल

आ गई है स्कूल की पत्रिका
छा गई है स्कूल की पत्रिका
बच्चों के दिल में समां गई पत्रिका
हर जगह वह तो छा गई पत्रिका
मेरा फोटो आया है
स्कूल की मैगज़ीन में छाया है
दिल में खुशियाँ लाया है
दोस्तों को भाया है
मेरे लेखन का सुधार होता
जीवन का सुधार होता
आ गई है स्कूल कि पत्रिका |

पुनीत मित्तल कक्षा ७

स्कूल

स्कूल चले हम भाइयो लेकर बस्ता हाथ
दीदी भाई संग में , आओ तुम भी साथ
शिक्षा का अधिकार है ,मिला सभी को यार
झटपट बस्ता लो उठा ,हो जावो तैयार
गीता मीना भी चलो ,बबलू डब्लू रोज
पढवा लिखवा साथ में ,करे ज्ञान की खोज
पढ़ लिख नाम कमा चलो, जान लो यह है सार
एक पढ़े घर भर पढ़े , सबको है अधिकार

हर्ष कक्षा ६

चार सहेलियों की दास्तान

चार सहेलियां विद्या, दौलत, इज्जत और ताकत | वह आपस में बिछड़ते हुए एक दूसरे से कहती है

१. विद्या :- मैं जा रही हूं | अगर मुझसे मिलना हो तो विद्वानों की किताब में मिलूंगी|

२. दौलत:- मैं भी जा रही हूं | अगर मुझसे मिलना हो तो अमीरों के महलों में मिलूंगी |

जब इज्जत कुछ नहीं बोली तो विद्या और दौलत ने कहा कि तुम क्यों चुप हो गए हो बहन

३. इज्जत:- अफसोस ! जब मैं एक बार चली जाती हूं तो दोबारा लौट कर नहीं आती |

तब अंत में ताकत बोलती है|

४. ताकत:- जब मैं जाती हूं तब ना विद्या ना दौलत और ना इज्जत की कोई उपयोगिता रहती है|

युविका कक्षा 8

शिक्षक

हम स्कूल रोज है जाते
शिक्षक हमको पाठ पढ़ाते,
दिल बच्चों का कोरा कागज़
उस पर ज्ञान अमिट लिखवाते,
जाति-धर्म पर लादे न कोई
करना सबसे प्रेम सिखाते,
हमें सफलता कैसे पानी
कैसे चढ़ना शिखर, बताते,
सच तो ये है स्कूलों में
अच्छा इक इन्सान बनाते|

सार्थक कक्षा ६

बेटी बचाओ बेटी पढाओ

बेटी हूँ पापा मैं आपकी ,बेटी ही मुझको रहने दो,
न समझो अभिशाप मुझे ,वरदान ही मुझको रहने दो,
आसमानों में उड़ने दो ,हवाओ संग मुझको बहने दो,
कमजोरी नहीं ताकत हूँ आपकी यूँ कोख में न मुझको मरने दो
मेरी भी ज़िन्दगी है ,मेरे सपने है ,मेरे सपनो में रंग मुझको भरने दो,
हौसला अफजाई करो मेरी ,न यूँ बुरी नज़र से मुझको डरने दो,
मैं भी भाई सा नाम कमाउंगी ,बाहर मुझको भी पढने दो,
ये सोच समाज की छोटी है ,यही बड़ा कुछ मुझको करने दो
संघर्ष बड़ा अभिमानी है ,बस मुश्किलों से मुझे लड़नो दो
और भी मजबूत बन जाउंगी मैं ,बस संघर्षो में मुझे पलने दो,
तुफानो से लड़ जाउंगी मैं ,एक हुंकार तो मुझको भरने दो,
जग को बोना साबित कर दूंगी मैं ,बस एक बार मुझको लड़ने दो,
सांसे बहुत मजबूत है मेरी ,सपनो की सीढियां मुझको चढ़ने दो,
ये दुनिया भी याद करेगी मुझे ,बस अकड़ कर मुझको चलने दो,
नेकी की राह पर चलूंगी सदा ,बस एक कदम तो मुझको बढ़ने दो
बस एक कदम तो मुझको बढ़ने दो .....

साक्षी कक्षा ६

क्लास मॉनिटर

जो क्लास में बने मॉनिटर,
कोरी शान दिखाते हैं|
आता जाता कुछ भी नहीं ,
पर हम पर रौब जमाते हैं|

जब क्लास में टीचर नहीं,
तो खुद टीचर बन जाते हैं |
कॉपी पेंसिल लेकर,
बस नाम लिखने लग जाते हैं|

खुद तो हमेशा बात करें,
हमें चुप करवाते हैं |
अपनी तो गलती भी नहीं बताते,
हमें डॉट लगवाते हैं|

क्लास तो संभाल पाते नहीं ,
बस चीखते और चिल्लाते रहते हैं |
भगवान बचाए इन मॉनिटर से,
इन्हें हम नहीं चाहते हैं|

कक्षा 6 दिव्यांशी गिरी

ज्ञान

एक युवक कार से यात्रा कर रहा था | शहर से बहुत दूर जंगल में उसकी कार खराब हो गई | युवक ने बहुत प्रयत्न किया उसे ठीक करने का पर वह ठीक ना नहीं हो सकी | संयोग की बात, एक मकैनिक उधर से गुजरा | युवक ने उससे कर ठीक करने को कहा | वह बोला कार ठीक कर दूंगा, पर रुपए 1000 लूंगा | उसने अपनी स्वीकृति दे दी | मकैनिक ने कार के इंजन को देखा , हथोड़ा हाथ में लिया , एक बार इंजन पर चोट की और कार स्टार्ट हो गई | युवक ने कहा यह क्या एक चोट के हजार रुपये ? यह ₹1000 चोट करने के नहीं हैं | चोट करने का मूल्य ₹1 है| शेष 999 रुपए तो चोट कहां, किस समय और कैसे करनी है? इसके हैं | युवक को समाधान मिल गया|

पार्थ त्यागी कक्षा 6

पर्यावरण

क्यों नहीं सहेज कर रख लें
इस प्रकृति को
आने वाले कल के लिए
आने वाले अपनों के लिए
ये कटते वृक्ष
ये सूख्ती नदियां
ये सिमटते पर्वत
एक रोज यूं ही खत्म हो जाएंगे
आज हम कुछ कर सकते हैं
इस रोती हुई प्रकृति के आंसू
हम पोछ सकते हैं
एक वक्त बाद प्रकृति के
सारे आंसू सूख जाएंगे
पर आंसू होंगे
हमारी आंखों में
जिस चाह कर भी
हम पहुंच नहीं पाएंगे

युग कुमार , कक्षा ६

तुम चलो तो सही

राह में मुश्किल होगी हजार
तुम दो कदम बढ़ाओ तो सही
हो जाएगा हर सपना साकार
तुम चलो तो सही तुम चलो तो सही
मुश्किल है पर इतना भी नहीं
कि तू कर ना सके
दूर है मंजिल लेकिन इतना भी नहीं
कि तू पा न सके
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही
एक दिन तुम्हारा भी नाम होगा
तुम्हारा भी सत्कार होगा
तुम कुछ लिखो तो सही
तुम कुछ आगे बढ़ो तो सही
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही
सपनों के सागर में कब तक गोते लगाते रहोगे
राह एक है सुनो तो सही तुम
तुम उठो तो सही, तुम कुछ करो तो सही
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही

जानवी कक्षा 8

मेरा बागपत

जिस मिट्टी में पैदा होकर, मैं गौरव का अनुभव पाता हूं
ऐसी बागपत की पावन धरा की गाथा, आज मैं सुनाता हूं
बड़ागांव रावण का खेड़ा, मां मनसा त्रेता की कहानी सुनाती है
भगवान परशुराम की जन्मस्थली, पुरा महादेव कहलाती है
यही विराजे कुटी वाल्मीकि, जहां रामस्वरूप लव कुश का आगाज हुआ
यह वह पावन भूमि है, जहाँ इतिहास का प्रमाण हुआ
जिस मिट्टी ने शेर जने, उसकी बात बताता हूं
बागपत की पावन धरा की गाथा, आज मैं सुनाता हूं
यहां स्थित बरनावा, महाभारत के प्रपंचो की कहानी आज भी सुनाता है|
सिनौली में भी साक्ष्य मिले प्राचीन, जो इसका ऐतिहासिक होना सिद्ध कर जाता है|
यह उन्हीं 5 गांव में है, पांडवों के लिए जिन्हें कृष्ण ने द्वापर में मांगा था|
पर टल न सकी होनी, दुर्योधन ने महाभारत रण का ठाना था
जहां घर-घर परशुराम हुए वह कहानी दोहराता हूं
बागपत की पावन धारा की गाथा आज मैं सुनाता हूं
जब अंग्रेजों की लूट चरम पर थी, तब क्रांति ५७ का पल भी आता हैं

बागपत ने आज़ादी के हवन में भाग लिया बढ़ चढ़कर , यह इतिहास बताता हैं
बाबा शाहमल ने जोहर दिखाए, फिर सबने मिलकर अंग्रेजो को भगाया था
भारत माता की आन के लिए अपना लहू बहाया था
जहाँ वीर हुए बलिदानी ऐसी गौरव गान आज मैं दोहराता हूँ
बागपत की पावन धरा की गाथा , आज मैं सुनाता हूँ |

गंगासागर त्यागी, कक्षा ८

हमारे जीवन में शिक्षा का महत्व

शिक्षा एक ऐसा शब्द है| जिसे सुनकर हम बड़े हुए हैं| बचपन की शुरुआत से ही इस क्षण तक, हम शिक्षा और इसकी आवश्यकता और महत्व से घिरे रहे हैं| हमें हमेशा अपने माता-पिता अभिभावकों और शिक्षकों द्वारा बताया गया है, कि शिक्षा आवश्यक है और हम सभी को इसे गंभीरता से लेना चाहिए | शिक्षा एक व्यवस्थित विधि है जिसके माध्यम से छात्रों को निर्देश दिया जाता है| शिक्षा एक व्यक्ति के समग्र और संपूर्ण प्रशिक्षण और विकास को शामिल करती है| शिक्षा यह है कि कोई व्यक्ति जीवन में विभिन्न पहलुओं के बारे में ज्ञान रखता है, सशक्त बनता है और स्वतंत्र और विशिष्ट रूप से सोचने की क्षमता प्राप्त करता है| शिक्षा हर किसी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं| शिक्षा घर से शुरू होती है और जीवन भर साथ रहती है शिक्षा हमें नई चीजें सिखाने, अच्छी नौकरियां खोजने और समाज में सम्मानजनक जीवन जीने में मदद करती हैं | एक व्यक्ति जितना अधिक शिक्षित होता हैं , जीवन में उसकी सफलता की संभावना उतनी ही अधिक होती हैं | इसीलिए शिक्षा हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं|

अवगत मुद्गल , कक्षा 8

बिल्ली बेच रही गुब्बारे

चूहों की गलियों में बिल्ली
बेच रही गुब्बारे,
लाल गुलाबी रंग-बिरंगे
नीले, पीले प्यारे|
नहीं बिके, तब बोली बिल्ली
मुफ्त बांटती में ये सारे,
आओ निकल बिलो से तुम सब
ले जाओ गुब्बारे|
लेकिन चूहा एक ना निकला
उसके डर के मारे,
बोले मौसी, नहीं चाहिए
गुब्बारे ये तुम्हारे |

विशु ढाका , कक्षा 8

शिक्षक

शिक्षक जीवन में जो राह दिखाएं,
सही तरह चलना सिखाए |
माता-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता |
सबकी मान प्रतिष्ठा जिससे
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे |
कभी रहा ना दूर मैं जिससे
वह मेरा पथदर्शक है जो |
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता ||
कभी हैं शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर,
मन में दबी रहेगी इच्छा,
काश मैं उससा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता

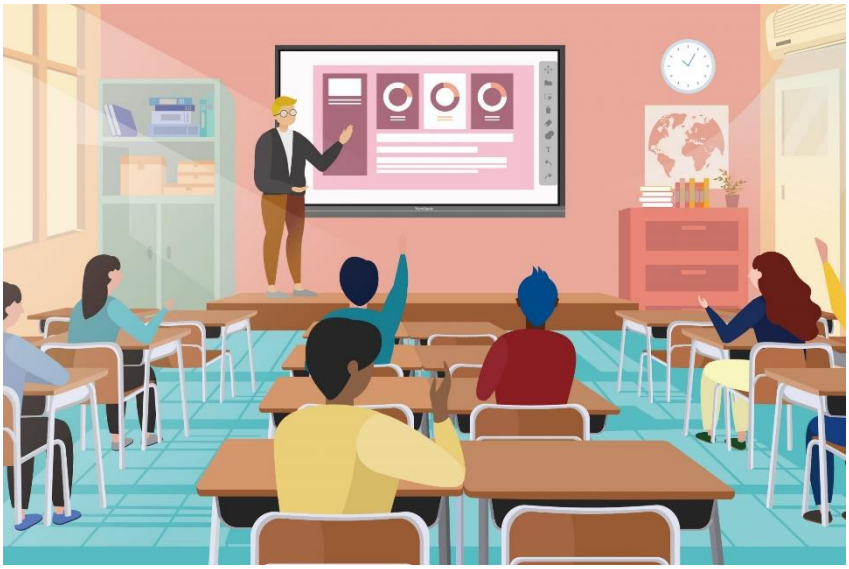

दिव्यम त्यागी कक्षा 6

स्कूल के बच्चे

स्कूल के बच्चे एक जैसे ही दिखते हैं|
सेम रंग की ड्रेस में बेहतरीन जमते हैं|
स्कूल के दिनों की बात ही कुछ निराली है|
बच्चों के डर में भी खुशहाली ही खुशहाली है|
छुपकर बच्चे कॉमिक्स पढ़ते हैं|
कहीं स्कूल को ही अपना घर समझते हैं|
स्कूल के दिनों की बात कुछ निराली है|
बच्चों के डर में भी खुशहाली ही खुशहाली है|
आजकल गिनती नहीं कितने स्कूल होते हैं|
हर गली में देखें तो स्कूल होते हैं|
स्कूल के दिनों की बात ही कुछ निराली है|
बच्चों के डर में भी खुशहाली ही खुशहाली है|
स्कूल बच्चों का लेकिन फिर भी घर नहीं|
पढ़ते तो है लेकिन सोने की व्यवस्था नहीं|
स्कूल के दिनों की बात कुछ निराली है|
बच्चों के डर में भी खुशहाली ही खुशहाली है|

नाम अंशिता कक्षा 6

जिंदगी

एक अजब सी पहेली है जिंदगी|
कभी हंसती है तो कभी रुलाती है जिंदगी|
मां का प्यार तो कभी पिता का डांट है जिंदगी|
कभी फूलों से कोमल है जिंदगी|
तो कभी संघर्षों का नाम है जिंदगी|
कभी दुखों का सैलाब है जिंदगी|
तो कभी खुशियों की बरसात है जिंदगी|
कभी ओस की बूंद है जिंदगी|
तो कभी आंसुओं की लहर है जिंदगी|
जैसी भी है जिंदगी मुझे प्यारी है जिंदगी |

सृष्टि शर्मा कक्षा 8

एक सवाल

आओ, पूछे एक सवाल !
मेरे सिर पर कितने बाल ?
कितने आसमान में तारे ?
बताओ या कह दो हारे !
नदियाँ, क्यों बहती दिन-रात ?
चिड़िया क्यों करती हैं बात?
क्यों कुत्ता बिल्ली पर धाए ?
बिल्ली चूहों को क्यों धाए ?
फूल कैसे पाते रंग ?
रहते क्यों ने जीव सब संग?
बादल क्यों बरसाते पानी ?
लड़के क्यों करते शैतानी?
यह सब ईश्वर की माया है,
इसको कौन जान पाया है?

कक्षा आठ आस्था आस्था यादव

सुविचार

पैर की मोच और छोटी सोच
हमें आगे बढ़ने नहीं देती
टूटी कलम और औरों से जलन
खुद का भाग्य लिखने नहीं देती
काम का आलस और पैसों का लालच
हमें महान बनने नहीं देता
अपना मजहब ऊंचा और गैरों का ओछा
यह सोच हमें इंसान बनने नहीं देती
दुनिया में सब चीज मिल जाती है
केवल अपनी गलती नहीं मिलती

भवी कक्षा 8

मां

मां तू ऐसा कैसे कर पाती है ?
हमसे निकला ना जाए धूप में,
और तू नंगे पांव , पूरा आंगन फिर जाती है,
मां तू ऐसा कैसे कर पाती है?

हम तो आलस्य के मारे हैं,
काम हमारे बिखरे सारे हैं|
मगर तू पूरा घर कैसे संभाल पाती है?
मां तू ऐसा कैसे कर पाती है ?

हमें तो सिर्फ विद्यालय जा कर आना है,
मगर तुझे तो पूरा घर बनाना है,
मां तू ऐसा कैसे कर पाती है?

बात तो तब समझ में आई
जब हम छुट्टियों का आनंद ले रहे थे
और तुझे कष्ट दे रहे थे|
मां तू ऐसा कैसे कर पाती है?

इसीलिए तो मां,
तू भगवान का दूसरा रूप कहलाती है|

अभिषेक चौधरी

पर्यावरण

भूमि, धरती, भू, धरा
तेरे हैं यह कितने नाम,
तू थी रंग-बिरंगी,
फल फूलों से भरी-भरी,
तूने हम पर उपकार किया,
हमने बदले में क्या दिया?
तुझसे तेरा रूप है छीना,
तुझसे तेरा रंग है छीना
पर अब मानव है जाग गया,
हमने तुझसे यह वादा किया,
अब ना जंगल काटेंगे,
नदियों को साफ रखेंगे,
लौटा देंगे तेरा रंग रूप

भूमिका त्यागी कक्षा 8

मां

जिसके आंचल की छांव में
बचपन मेरा बीता है
जिसकी उंगली पकड़ पकड़कर
चलना मैंने सीखा है
जिसने शिक्षा दी मुझको
हर बुरे काम से बचने की
जिसने दिशा दिखाई मुझको
सही मार्ग पर चलने की
जिसने मुझसे मुझे सिखाया है
हर मुश्किल से टकराना
विपदाएं कितनी आए
ना कभी उनसे घबराना
ऐसी शिक्षा दी मुझको
सारे जहां से लाकर
धन्य हुआ मेरा जीवन
ऐसी मां को पाकर

पलक यादव कक्षा 7

खेल का मानसिक एवं शारीरिक वृद्धि पर प्रभाव

यह हमारे शारीरिक और मानसिक सन्तुलन को बनाए रखता है, इसके साथ ही यह हमारे एकाग्रता स्तर और स्मरण शक्ति को भी सुधारता है। खेल हमारी एकाग्रता को बढ़ाकर हमारे जीवन को शांतिपूर्ण बनाता है, इसके साथ ही यह हमें किसी भी कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए भी तैयार करता है।

शुभम कुमार टी.जी.टी

अमृत महोत्सव की प्रासंगिकता और भविष्य

आजादी , अमृत और महोत्सव तीनों शब्द अपने आप में एक विचार है । एक सिद्धांत है जिनका मानव जीवन में विशेष महत्व है । आज हम सब भारतीय हाथ में तिरंगा और दिल में देश प्रेम की भावना को सजोए इस उत्सव को मना रहे हैं । क्या बच्चे क्या बूढ़े, क्या पुरुष या क्या महिला क्या , किसान क्या मजदूर आदि सब हर घर तिरंगा उत्सव में रंगे हुए है। प्राथमिक विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय तक के संस्थानों या पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक के संस्थान सभी के मस्तक के पर तिरंगा शान से लहरा रहा है। किसानों ने भी अपने खेतों में तिरंगा को लहरा दिया है। लहराए भी क्यों ना जबकि उन्होंने आज भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाने में विशेष योगदान दिया है । एक समय था जब देश के करोड़ों लोगों का पेट भरने के लिए हमने अपमानजनक शब्दों के साथ अनाज आयात किया था । और एक आज का समय है जय जवान जय किसान की बदौलत हम न सिर्फ पहले से 5 गुना अधिक जनसंख्या का पेट भरने में सक्षम है बल्कि उन देशों को अनाज व अन्य जरूरी सामान निर्यात कर रहे हैं जिन्होंने कभी हमें मना किया था। अपनी शर्तें मानने को मजबूर किया था ।

ये सच है कि १९४७ में आजादी बँटवारे के साथ मिली थी। बँटवारा कैसा भी हो तकलीफदेह तो होता ही है। भारत और पाकिस्तान दोनों एक साथ आजाद हुए । दोनो ने अपनी जनता से विकास के वादे किए और उसे सफल बनाने के लिए योजनाएँ भी बनाई, किंतु आज जब ७५ साल बाद दोनो की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है तो वसुधैव कुटुंबकम् में विश्वास रखने वाला भारत एक विश्वशक्ति के रूप में नजर आता है तो वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्षरत । भारत जहां विश्व के सबसे बड़े और मजबूत लोकतांत्रिक देश के रुप में स्थापित हो चुका हैं तो पाकिस्तान अभी भी सेना और जमीदारों के इशारों पर नाचने को मजबूर है। भारत की हिमालय जैसी सफलता और पाकिस्तान की असफलता में शायद आजादी,अमृत और महोत्सव जैसे शब्दों, विचारो को अपनाने के अंतर के रूप में देखा जा सकता है। भारत ने आजादी शब्द को गरिमा के साथ- साथ मौलिक

अधिकारों का कवच भी प्रदान किया ताकि प्रत्येक भारतीय आजादी का उत्सव मना सके। इसी कड़ी में भारत के दूरदर्शी मनीषियों ने सामाजिक कुरीतियों, धार्मिक संकीर्णता तथा राजनीतिक भेदभाव की समाप्ति को आधार बनाया जबकि इसके उलट पाकिस्तान ने धर्म तथा समुदाय विशेष तक आजादी को समेटने का काम किया, परिणाम आज वह आतंकवाद,गरीबी और देश विखंडन जैसी समस्याओं से जूझ रहा है तो दूसरी तरफ हिंदुस्तान शान से अनेकता में एकता के मूलमंत्र पर चलते हुए प्रगति के नित नए कीर्तिमान स्थापित करता जा रहा है।

अनेकता में एकता के महोत्सव की महानता की प्रासंगिकता को विश्व अब समझने लगा है । क्योंकि इस विचार को न अपनाने वाले देशों की बर्बादी व हताशा के उदाहरण सबके सामने मौजूद जो हैं । मसलन धर्म के नाम पर कभी एकजुट होने वाले पाकिस्तानी, सांस्कृतिक विविधता को न अपनाने के कारण आज दो मुल्कों में बंट गए है ।

अल्पसंख्यकों को उनका हक न देने की बहुसंख्यक मानसिकता वाले श्रीलंका, म्यांमार का हश्र दुनिया के सामने है। समाजवाद जैसी महान विचार के होते हुए भी सोवियत संघ का अठारह देशों में टूटकर बिखर जाने का उदाहरण बार - बार विश्व को याद दिला रहा है की अनेकता में एकता का महोत्सव ही किसी देश व समाज के अस्तित्व व विकास की पहली शर्त है। भारत व अमेरिका इसके प्रगतिशील उदाहरण है । शायद यही वजह है कि कभी धर्म को प्रमुखता देने वाले अरब देश भी अब संस्कृति विविधता व सभ्यता को संरक्षण व प्रोत्साहन देते नजर आ रहे हैं।

कुल मिलाकर देखा जाय तो आजादी एक ईश्वर प्रदत्त अधिकार है । जीवन के सभी क्षेत्रों में इसकी रक्षा व सुरक्षा की जिम्मेदारी हम सभी की है न कि किसी संस्थान या व्यक्ति विशेष की। वैसे भी देश प्रेम का मतलब ही होता है देश में रहने वाले सभी प्राणियों, संस्थाओं, जीवों तथा प्राकृतिक संसाधनों से न सिर्फ प्रेम करना बल्कि उनकी प्रगति में सहयोग देना और सुरक्षा को हमेशा तत्पर रहना । अनेकता में एकता हिंदुस्तानी संस्कृति का वह अनमोल मंत्र है जिसकी वजह से हम आज भी एक मजबूत राष्ट्र के रूप में न सिर्फ बचे हुए हैं बल्कि लगातार आगे बढ़ रहे है । शायद इसी विशेषता ने मशहूर शायर इकबाल को यह लिखने के लिए मजबूर कर दिया था ...

कुछ बात है कि हस्ती मिटती नही हमारी,
सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहां हमारा,
मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना,
हिंदी है हम वतन है हिंदोस्ता हमारा।

संदीप सिंह
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
सामाजिक विज्ञान

संस्कृत अनुविभाग

सम्पादकीयम्

मुनिवर विकसति कविवर विलसित,
मञ्जुलमञ्जूषा सुन्दरसुर भाषा |
अयि मातस्तव पोषणक्षमता ,
मम वचनातीता , सुन्दरसुरभाषा ||

विश्वस्य श्रेष्टतमा ,प्राचीनतमा भाषा ,समस्तभारतीयभाषाणां जननी च वर्तते संस्कृतभाषा | अस्याः प्राचीनता एव कारणं नास्ति श्रेष्टतायाः अपितु देववाणी -संस्कारभाषाकारणात् एषा अन्यतमा | संस्कृतस्य वैज्ञानिकता अद्य सम्पूणे विश्वे अस्याः महत्वं प्रतिपादयति | संस्कृतसाहित्ये मानवतायाः कल्याणाय सन्ति धरोहररूपेण अनेके ग्रन्थाः यत्र च 'वसुधैव कुटुम्बकम ' एतादृशी उदात्त भावना दृश्यते | संस्कृतं न केवलं भाषा अस्ति अपितु प्राचीन ज्ञानविज्ञानयोः महासागरः यत्र असङ्ख्या मुक्ता विलसन्ति|

"ई- विद्यालयपत्रिका 2022-23" इति केन्द्रीयविद्यालय चान्दीनगरसेनयक्षेत्रस्य अस्यां सञ्चिकायां प्रकाशिताः सर्वाः रचनाः छात्राणां संस्कृत-अनुरागं ज्ञापयन्ति |विद्यालयस्य संस्कृतछात्राणां एषः यञ्त्कञ्चित् प्रयासः| कोरोनामहारोगप्रसारकाले 'ऑनलाइन' इति माध्यमेन पठन्तः छात्राः सञ्चिकायाः कृते प्रयासं कृतवन्तः अतः ते धन्यवादर्याः | यद्यपि नास्ति एताः रचनाः मूलतः बालकानां तथापि तेषां संस्कृतानुरागः अस्माभिः अभिनन्दनीयः | पाठकाः अस्माकं भारतवर्षस्य गौरवभूतायाः संस्कृतभाषायाः रचनाः पठित्वा आनन्दिताः भविष्यन्ति इति मन्ये |

जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम् |

मामराजरायः
प्रशिक्षितस्नातक शिक्षक(संस्कृत)

नृत्यति वर्षाराज्ञी

‘ रिम् – झिम् ' ‘ रिम – झिम्'

वर्षन्ति नु वर्षाः

नृत्यत्यपि वर्षाराज्ञी ।

अवलोक्य यस्याः

हृद्यां नृत्यच्छटां

हसति माता धरणी ॥

‘चक्- चक्’ ‘चक्- चक्’

लसति नु विद्युत्

कृष्णे गगनफलके ।

मुहुर्मुहुरहो !

गर्जति तर्जति

स्तनितं हि मेघलोके ॥

‘सी-सी’ ‘सी –सी ‘

प्रवहन्ध्र वायुः

गायति मधुरस्वरैः ।

सन्ति दोलायिताः

सपादपाः लताः

सखिभिःशाखाभिः पत्रैः ।।

‘कटर्- कटर्’

गायन्ति च भेकाः

दृष्ट्वा घोरवर्षाकालम् ।

पश्य धरा माता

राजते कीदृशी

परिधाय हरिद्वस्त्रं ।।

एहि-एहि कुनि !

एहि-एहि मुनि!

एहि-एहि खेलिष्यामः।

कागदनावं

निर्माय धारासु

वर्षासु वाहयिष्यामः ।।

मम मातृभूमिः

“जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी “।

मातृभूमि जन्मतः आरभ्य मृत्युपर्यन्तम् अस्माकं रक्षणं पोषणं च करोति ।

“माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः “।

इति वेदवाक्यं अस्ति । मातृभूमि सर्वैः नरैः वन्दनीया भवति । येन केन प्रकारेण

मातृभूमेः रक्षणं करणीयं ।

नाम – ध्रूव त्यागी

कक्षा – VI

प्रकृतिः

प्रकृति माता सर्वेषाम्

बहूनाम् अपि फलानाम्

,

बहूनाम् अपि वृक्षाणाम्

पुष्पाणाम् अपि मातेयम्

।।

भ्रमराणाम् पशूनाम्

पक्षिणाम् च मातास्ति

,

जनेभ्यः जीवनं सदा

ददाति प्रकृतिः माता ।।

अस्ति सा तु मनोहरी

मातृणाम् अपि मातास्ति ,

प्रकृति माता सर्वेषाम्

नमोस्तु ते मात्रे प्रकृत्यैः ।।

नाम – लवी

कक्षा – नवी

संस्कृत दिवसः

आमंत्रितोल्लास विलासिवर्षः ,

विवृद्धवृद्धौघहृषीकहर्षः|

विद्योतितत्छात्रगुणप्रकर्षः,

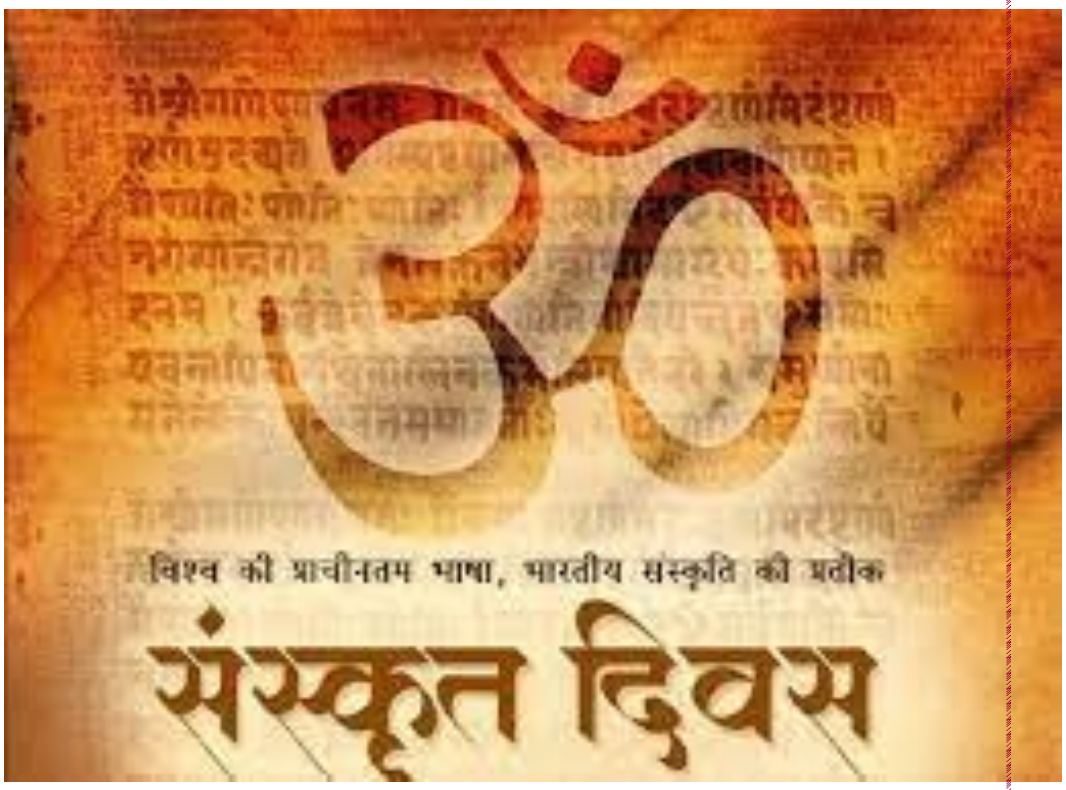

सुपर्वभाषादिवसोऽयमार्षः| |

मनोमुद: कोविदकुञ्जराणां

तन्यन्त एतेन च निर्जराणाम् ।

गुणैर्गरिष्ठैरिह भासमानो

विराजतां संस्कृतवासरोऽयम् ।।

प्रतिप्रदेशं किल कीर्तिघोषः ,

जनैः समुत्तोल्य मुदा स्वदोषः ।

गीर्वाणवाणीगुणगौरवाणा

माचर्यते संसदि कोविदानाम् ।

सेजल कक्षा VIII

पुस्तकालयः

यत्र विविधानि पुस्तकानि पठनार्थं संग्रहितानि भवन्ति तत् स्थानम् पुस्तकालयः उच्यते । तत्र हि त्रिविधयः पुस्तकालयः व्यक्तिगतः, विद्यालयी, सार्वजनिकं च । व्यक्तिगतः पुस्तकालयः अध्यापकानां अन्येषां बुद्धिजीविनां च भवति । विद्यालयी विद्यालयस्य अङ्गं भवति । छात्राणां अध्यापकानां च ज्ञानवर्धनाय विद्यालयी पुस्तकालयः भवति । सम्प्रति गतिशीलः पुस्तकालयः अपि वर्तते ।

नाम – हिमांशु राय

कक्षा – सातवीं

माता

मां , मां त्वम् संसारस्य अनुपम

उपहारं ,

न त्वया सदृश्य कस्यः स्नेहं ,

करुणा-ममतायाः त्वं वर्तनं ,

न कोऽपि कर्तुं शक्नोति तव विषयं

तव चरणयोः मम अस्ति ,

“मा” शब्दस्य

न जीवनं मां सद्य कस्य प्रेमः

मां त्वम् संसारस्य अनुपम उपहारं

पुनीत कक्षा कक्षा – सातवीं

जन्मदिन गीतं

जन्मदिनमिदम् अयि प्रिय सखे।
शं तनोतु ते सर्वदा मुदम्।।1।।

प्रार्थयामहे भव शतायुषी।
इश्वरः सदा त्वां च रक्षतु।।2।।

राष्ट्रसेवया कीर्तिमर्जय।

जीवनं त्व भवतु सार्थकम्।।3।।

साक्षी कक्षा – छठवीं

संस्कृत भाषायाः महत्वं

1. संस्कृत भाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतम भाषा अस्ति।
2. संस्कृता भाषा परिशुद्धा व्याकरण सम्बंधिदोषादिरहिता संस्कृत भाषेति निगघते।
3. संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभुताभाषा अस्ति राष्ट्रस्य ऐक्य च साधयति भाषा अस्ति।

4. संस्कृतभाषा जिवनस्य सर्वसंस्कारेषु संस्कृतस्य प्रयोगभवति। :

5. सर्वासामेताषा भाषाणाम इय जननी।

6. संस्कृतभाषा सर्वे जानाम आर्याणां सुलभा शोभना गरिमामयी च संस्कृत भाषा वाणी अस्ति।

7. वेदाः, रामायणः, महाभारतः, भगवद् गीता इत्यादि ग्रन्थाः संस्कृतभाषायां एवं विरचितानि।

8. इयं भाषायाः महत्वं विदेशराज्येष्वपि प्रसिध्दं।

9. संस्कृतभाषायाः संरक्षणार्थं वयं संस्कृतपठनं प्रचरणं च अवश्यं करणीयं।

10. संस्कृतवाङ्मयं विश्ववाङ्मये स्वस्य अद्वितीयं स्थानम् अलङ्करोति।

गर्वित ढाका कक्षा – छठवीं

संस्कृत भाषायाः महत्वं

संस्कृतम् भारतस्य विश्वस्य च पुरातनतमा भाषा। अन्यास भाषाणां तथा पुरातनं साहित्यमद्य नोपलभ्यते यथा पुरातनं संस्कृतसाहित्यम्। विश्वस्य पुरातनतमो ग्रन्थः ऋग्वेदः संस्कृतभाषयैव निबद्धः। इयमतीव वैज्ञानिकी भाषा, अस्या पाणिनिमुनिप्रणीतं व्याकरणमतीव वैज्ञानिकं यस्य साहाय्येन अद्यापि वयं तान् पुरातनग्रन्थान् अवबोधुं शक्नुमः। संस्कृतमेव हि भारतम्। यदि वयं प्राचीन भारतमर्वाचीनं वापि भारतं ज्ञातुमिच्छामः तह नास्ति संस्कृतसमोऽन्य उपायः। भारतीयजनस्य अद्यापि यत् चिन्तनं तस्य मूलं प्राचीनसंस्कृतवाङ्मये दृश्यते। यदि च तत् चिन्तनं वयं नूतनविज्ञानाभिमुख कर्तुमिच्छामस्तह तस्य मूलं पृष्ठभूमि च अविज्ञाय विच्छिन्नरूपेण कतु न शक्नुमः। यदि वयमिच्छामो यत् भारतीयजनः परिवर्तनम् आत्मसात् कुर्यात् तदा तेन परिवर्तनेन आत्मरूपेण संस्कृतिमयेन संस्कृतमयेन च भाव्यम्।। संस्कृतस्य शब्दाः सर्वासु भारतीयभाषासु कासुचित् वैदेशिकभाषासु च प्रयुज्यन्ते। अतः यदि वयं भारतीयजनानामेकीभावं, तेषां भाषागतम् अभेदं सौमनस्यं च इच्छामः तदा संस्कृतज्ञानेनैव

तत सम्भाव्यते। संस्कृतं सर्वाः-भारतीयभाषाः सर्वं जनमानसं च एकसूत्रेण संयोजयति। प्राचीनभारतीयेतिहासस्य भूगोलस्य च समीचीनं चित्रं संस्कृताध्ययनं विना असम्भवम्।

अवगत मुद्गल कक्षा –आठवीं

चत्वारि मित्राणि

एकं वनम् आसीत्। तस्मिन् वने एकः तडागः आसीत्। तत्र एकः कच्छपः, एकः मूषकः, एकः हरिणः च एकः काकः निवसन्ति स्म। ते सर्वे एकत्र सुखेन परस्परं मिलित्वा जीवन्ति स्म। एकदा सायङ्काले सर्वे मिलितवन्तः आसन् परन्तु तत्र हरिणः न आगतः आसीत्। हरिणः किमर्थं न आगतः इति तेषां चिन्ता अभवत्। तदा ते सर्वे परामर्शं कृत्वा तस्य हरिणस्य अन्वेषणाय काकः उड्डीय गतवान्। काकः गत्वा दृष्टवान् सः हरिणः एकस्मिन् पाशे बद्धः आसीत् इति । ततः काकः पुनः तडागस्य समीपम् आगत्य कथं तं हरिणं पाशात् मोक्षयिष्यामः इति कच्छपेन मूषकेण च सह परामर्शं कृत्वा मूषकः एव तत् कार्यं कर्तुं शक्ष्यति इति तैः निर्दिष्टः कृतः। सः मूषकः पाशं कर्तितुं शक्ष्यति इति निर्दिष्टं कृतवन्तः। इदानीं मूषकः पाशस्य समीपं कथं शीघ्रं गच्छेत् इति तेषां चिन्ता अभवत्। तदा काकः एकं उपायं विचिन्त्य मूषकं उक्तवान् हे मित्र! भवान् मम पृष्ठे उपविशतु, अहं भवन्तं उड्डीय तत्र नेष्यामि इति। मूषकः तथैव कृतवान्, काकः च तं तस्य पृष्ठे उपाविश्य उड्डीय तत्र गतवान्। तत्र गत्वा यस्मिन् पाशे हरिणः बद्धः आसीत् तं पाशं सः मूषकः तस्य दन्तैः कर्तयित्वा तस्मै मुक्तिम् अददात्। व्याधस्य आगमनात् पूर्वं ते सर्वे ततः पुनः तडागस्य समीपं प्रत्यागतवन्तः आसन्। एवमेव ते सर्वे विपत्तिकाले परस्परं साहाय्यं कुर्वन्ति सुखेन जीवन्ति स्म इति।

शगुन कक्षा – छठवीं

विश्व योगदिवसः

अधुना अखिलम् विश्वम् अपि जून मासस्य एक एकविशतिः तिथिः योगदिवसः इति मन्यते । समस्तदेशाः सम्प्रति योगस्य महत्वम् स्वीकुर्वन्ति। योगः भारतस्य आधारः अस्ति।
योगं विना वयं स्वस्थः सानन्दः च भवितुम नशक्नुमः।
सर्वप्रथम महर्षि पतञ्जलिः योगसुक्तम् प्रतिपादितम।
अस्मिन् ग्रन्थे अष्टांगयोगस्य वर्णनम् अस्ति।-
सम्प्रति महानगरे प्रदूषणस्य समस्या अस्ति।
ध्वनि, वायुः एवम् जलप्रदूषणः महानगरस्य जीवनस्य विकटसमस्या अस्ति।
एकल परिवारः महानगरस्य यथार्थएतेन कारणेन जनाः रुग्नाः भविन्त। :
समयाभावेन जनेषु परस्परम् प्रेमः स्नेहः च न अस्ति।
वयम् सर्वे तनावग्रस्ताः भवामः।
अतएववयम् नूनं योगः करणीय।:
प्रतिदिनम् प्रातः सायं योगम् पूजनीयम्।
केवलम् योगेन वयम् स्वस्थः भविष्यामः शारीरिकम् मानसिकम् च पुष्ठये योगः महत्वपूर्णः अस्ति।

निकुंज कक्षा – छठवीं

सुभाषितानि

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्।।

व्यायामात् लभते स्वास्थ्यं दीर्घायुष्यं बलं सुखं।
आरोग्यं परमं भाग्यं स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्॥

गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा।

गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः॥

वनानि दहतो वह्नेः सखा भवति मारुतः ।

स एव दीपनाशाय कृशे कस्यास्ति सौहृदम् ॥

कस्यैकान्तं सुखमुपनतं दुःखमेकान्ततो वा ।

नीचैर्गच्छत्युपरि च दशा चक्रनेमिक्रमेण ॥

जानवी कक्षा –आठवीं

पुरः पुरः प्रगच्छ रे

पुरः पुरः प्रगच्छ रे

प्रगाय मातृवन्दनम्।

स्वभूमि रक्षणे-जन्म-

प्रयच्छ वीर। जीवनम्।।

शिरः कुरु समुन्नतम्

तवास्तु मा क्वचिद् भयम्।

पुरः पुरः प्रगच्छ रे

प्रगाय मातृवन्दनम्।।

रणे धृतिः सुकौशलम्

प्रवर्धताम् मनोबलम्।

सुनिश्चितः जयस्तव

कुरु स्वधर्मपालनम्।

पुरः पुरः प्रगच्छ रे

प्रगाय मातृवन्दनम्।।

विप्रय यादव कक्षा –आठवीं

मातापितरौ

एतौ नामौ तादृशौ यत् ते अस्माकं जीवने सर्वं भवन्ति। अस्माकं जीवनस्य अतीव

महत्वपूर्णाः भागाः सन्ति | माता अस्मान् प्रसूति, पोषयति , | माता अस्मान् चलितुं , खादितुं , पिबितुं , पठितुं , इत्यपि सर्वं शिक्षयति |पिता अस्मान् जीवनस्य महत्वं शिक्षयति | जीवनस्य विषये सर्वं शिक्षयितुं येन वयं जीवने कदापि पराजिताः न भवेम परन्तु वयं पराजिताः भवेम | वयं कस्यचित् वचनेन पराजिताः भवेम | मातापितरः बालकानां कृते सर्वं कुर्वन्ति | अहं मम मातापितरौ बहु प्रेमं करोमि

एन्जल त्यागी कक्षा- सातवीं

ENGLISH SECTION

MUSIC

What do you do?
When you are alone,
Either you are sad, or in a happy zone.
I hear music to make the movement memorable,
And when I am sad I hear it to make my mood happy forever.

Music, let me tell you about this what I think in brief,
It gives freshness and relief.
Some of them are enjoyfull and some are sad,
But I think none of them are bad.
Music is of different types like classic, folk and pop,
And when I hear it, I don't like to stop.
When I hear music I feel very nice ,
And hear it once or twice.
Music is magic it can make you laugh and cry,

If you want to see this magic , you just have to try.
So I would advise you to listen music of your choice for a while ,
So that your face may fill with a smile.

BY Janvy
8th std

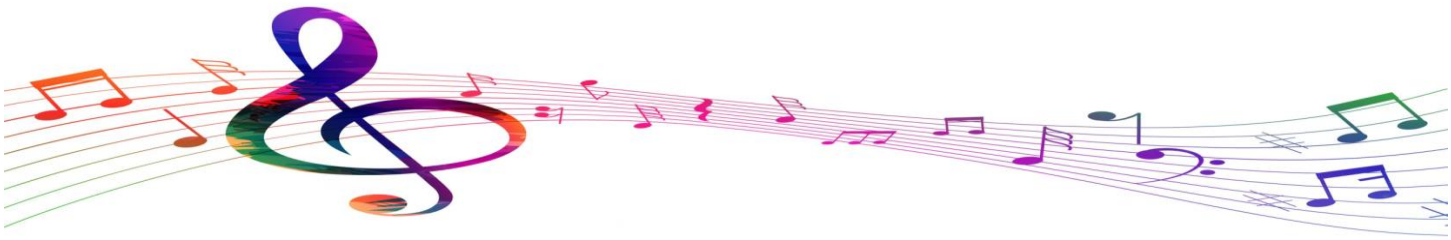

STUDENT LIFE

Student life is one of the most memorable phases of person's life. The phase of student life builds the foundation of our life. In student life, we don not just learn from books. We learn to grow emotionally, Physically, philosophically as well as socially, Thus in this student life essay, we will learn its essence and importance.Student life is meant to help us learn discipline and study. Despite that, life is quite enjoyable. The struggle is low in student life. One must get up early in the morning to get ready for school or college. Similarly, rushing to the bus stop is very exciting during student life. The mothers constantly remind us to hurry up and not late. It is no less than a mantra for all mothers.In addition, there are other exciting moments in student life. We sometimes forget to complete our home work and then pretend to find the notebook when the teacher asks for it.With the examination time around the corner, the fun stops for a while but not long. One of the most exciting things about student life is getting to go on picnics and trips with you friends. You get to enjoy yourself and have a lot of fun. Even waiting for the exam result with friends becomes fun. The essence of student life lies in the little things like getting curious about you friend is marks, getting jealous if they score more and so on.The excitement for games period or learning about a new teacher. While student life teaches us discipline, it also gives us a lot of fun. It is a memorable time in everyone's life.

Student life is a virtual part of everyone's life. The future of the students and the country depends on how we are as students. Thus getting the right guidance is essential. Student life builds the foundation for our life.

NAME Dhruv Mittal
Class IX

Art of Effective Communication

Communication is fundamental to the existence and survival of humans as well as the organisations-no matter it is small or big. Ii is a process of creating and sharing ideas, information, feeling, our opinions and decisions.

A person may be highly qualified but if he lacks good communication skills, all his knowledge becomes useless and vogue. If there is a leader who wants to get the work done by his followers or subordinates, he should have effective communication skills.

Thus communication is essential for the quick and effective performance. It helps in co-ordinating various people or tasks and mutual understanding.

Good communication helps to improvr overall personality of an individual so we should work hard to improve our communication skills.

Prachi Dhaka-XII

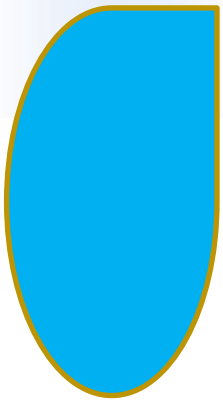

EVERY DROP COUNTS

Land without water is hell.

Water woes
My throat was parched,
My lips were dry,
Water! Water!
Was my cry.
I squeezed my eyes,
Far to see.
To find some water,
Or find a tree.
Not a drop was there,
Nor a plant, nor tree.
For rivers and forests,

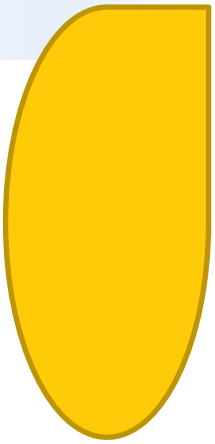

ABHISHEK CHAUDHARY-VII

INDIA'S CULTURE.

The following is Tagore's English rendering from the "My India":

Better than Heaven or Arcadia
I love thee, O my India!
And thy love I shall give
To every brother nation that lives.

The land of rich culture and heritage is India where people have humanity, generosity, unity, secularism, strong social relations and other good qualities. In spite of many angry actions by the people of other religions, Indians are always known for their kind and gentle behavior. Indians are always praised for their service and calm nature without any change in their principles and ideas. India is the land of great legends where great people have taken birth and done a lot of social work. He is still an inspirational personality for us. India is the land of Mahatma Gandhi, where he has cultivated a culture of non-violence among people. He always told us that if you really want to change, then talk politely rather than fight with others. He said that on this earth all people are hungry for love, respect, respect and care; If you give them all,then surely they will follow you. Gandhiji believed in non-violence and succeeded one day to get freedom for India from the British rule. He told the Indians to show the power of their unity and humility, then see the change. India is not a nation of men and women, caste and religion, but it is a country of unity where people of all castes and sects live together. People in India are modern and follow the changing modernity over time, yet they are associated with their cultural values â€‹â€‹and tradition. India is a spiritual country where people trust in spirituality. People here believe in yoga, meditation and other spiritual actions. India's social system is great where people still live together with their grandparents, uncle, tau, cousins and sisters etc. as a joint family. Therefore, people here learn about their culture and tradition from birth.

AKSHAY CLASS- X

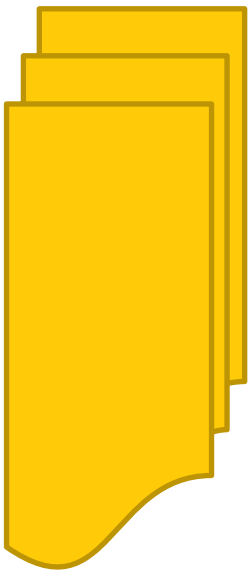

Open a book

Open a book
Open a book
And you will find,
People and places of every kind
Open a book
And you can be.
Anything you want to be,
Open a book
And you can show
Wondours ward you find in ther
Open a book
And I will too
You read to me
And I"ll read to you! It is a world
Full of wonders
Want to unfold it
Open the pages and fell thunder,
Brook or Forest with animals so strange
Find in the books all those mountain range.
You read for me or I read to you
But open a book
And I will too.

Mahak ,VII

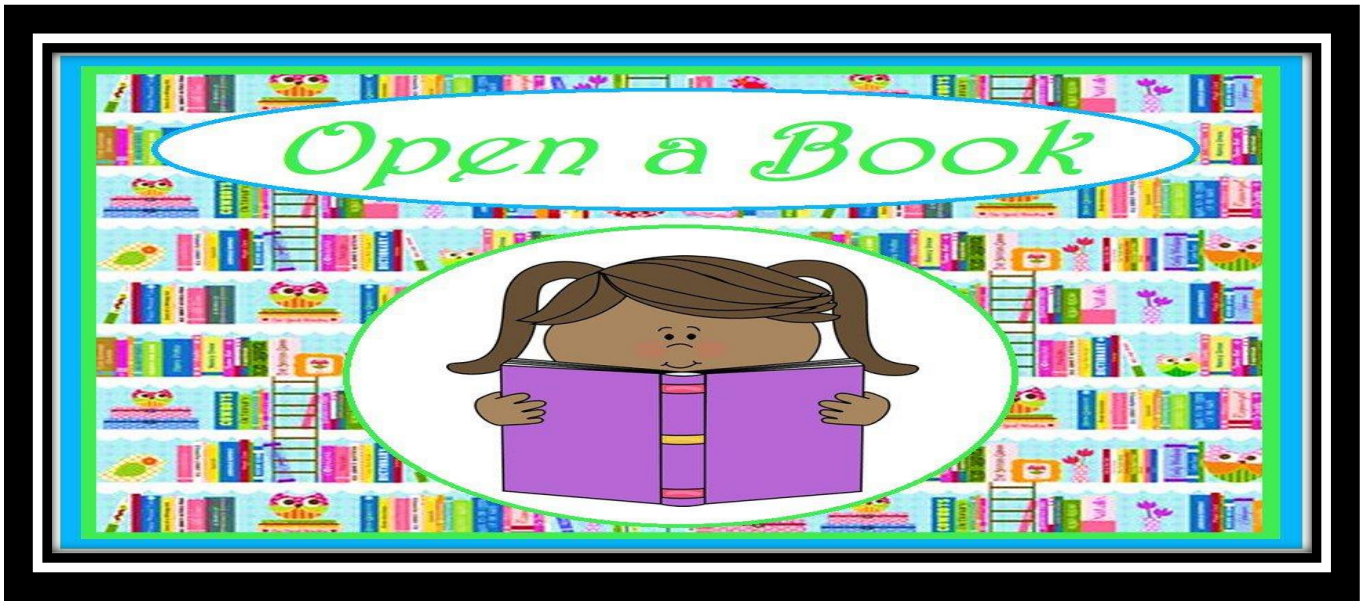

RIDDLES

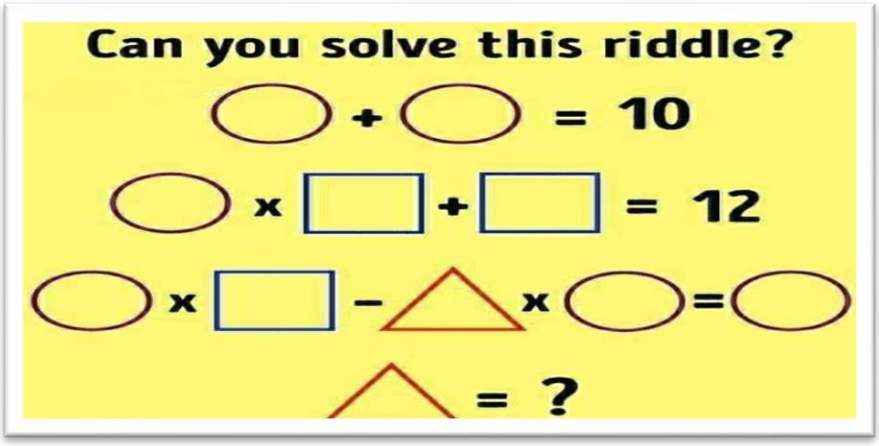

1. What is it that begins and ends with an E and has a letter in it?
   Envelope
2. What has teeth but cannot eat?
   Comb
3. What goes up but never comes down?
   Age
4. What belongs to you but other use it more often than you do?
   Name
5. What is as big as an elephant but does not weigh anything?
   Elephant's shadow
6. Which room has no doors and or window?
   Mushroom
7. Which letter of the alphabet represents the word 'me' ?
   I
8. What are the two things that people don't eat before breakfast?
   Lunch and dinner

Name Janvy -VIII

A funny Quiz

Once a teacher organized a quiz in her class and she asked the following questions and a student gave a very hilarious answers.

1. What ended in the year 1919?
   1918 ended when the year 1919 begins.
2. Why do some cricketers never sweat ?
   Because they have huge fans.
3. What is the major difference between a bird and a fly ?
   A bird can fly but a fly cannot bird(verb) !
4. Join these two sentences: I was riding to school. I saw a dead body.
   I saw a dead body riding to school.
5. Can you make SEVEN an even no.?
   Yes, remove 's' from it.
6. I have ocean but no water. Who am I?
   A world map.
7. What kind of dog can jump higher than buildings?
   Any kind of dog, because buildings can't jump.

Hiteshi Yadav
Class VIII

ON CANDLE

A candle burns all night,
Its flame is so bright.
But ya! a candle can not burn all night.
The flame gives so much of light.
So take this light into your life.
To make your futurebright.
Is it right ?

ON PARK

Walk in the park
I walk walk walk .
That day so hot
I walk walk walk.
I caught a dog.
Then I tie my hair
I walk walk walk.
Then I was the cities major
She was eating ice-cream full of lair.

Anushka
Class VII

Aim of life

An aimless life is no life. A Person who has no aim in life is like an animal. So, if we want to rise in life, we should have some aim in our life every profession cannot suit for everyone so the right choice of a profession is very essential. Right choice is the key to success in life. Our aim should be suited to our task and ability. Some people want to be doctors, teachers, Army Officers or Lawyers etc.

I wish to be a doctor. My choice is according to my taste and talent , having passed my intermediate examination, I shall appear in C.P.M.T examination. I hope that I shall be selected in my first attempt and I am admitted to M.B.B.S course. I want to serve the suffering people; specially those who live in village . Besides the profession of a doctor, teaching is a very noble profession. Thus I want to lead an honorable life in the society.

Tanisha
Class VII

Challenge of student life

The term " student life" includes all the good and bad times a person has bad in school. However, student life is full of challenges. Parents and teachers often put a lot of pressure on them to choose the right things for their careers. Some students may worry about life because they don't get to understand all things properly. Because every thing has a set time, it can be hard to keep up with school, work, sleep, family, and friends. You might have to balance school work, extracurricular of the activities, and your personal life all at once.

Student life is the seed of your life. Plant it wisely.

Vanshika
Class VII

Best friends forever

Over above in the high sky.
Though the soul must fly,
At that time we won't die,
If we have, love of beautiful.
If we follow commandments ten
We won't have to worry about thern
Friendship is the way of life
Misguide one think, never the like

Good deeds are itself God,
No one was here as Lord.
Good deeds make men God
Philosophers are as example shown

Our life is a bundle of mission,
From those choose one best
You will have real vision
But, never, never the next

Friendship is the way of life,
Mis-guided one think , never the like
It depends on the purity of soul
You fine love, love at all.

Aastha Yadav- Class 8

STUDENT LIFE

Student life is not easy but not so difficult as well. student life is very important for our life so do study, don't stop. We have also fun in our school life like playing games with our naughty friends. I want to give some tips about student life.

First make the time table according to your self comfort. You have to complete your work daily and also learn daily. You will cheek your school time table then you pack your bag then you go to sleep. The children of age between 10-14 sleep at 8:00 PM and wake up at 5:00 AM or 5:30 AM and children of age between 14-20 sleep at 10:00 PM or 11:00 PM and wake up at 4:30 or 5:00 AM and keep studying when you wake up. You go to your school at time don't be late and be attentive in your class. You have to wish to your elders daily. Then you become a good student of your school. Achiever and achieve your goal in your life . Keep smileing and do best in your life.

Angel Tyagi

Class VII

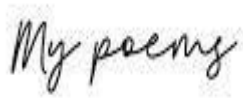

My Poem

They are blowing to it
And it is a flame,
It goes very-far
And they gave me blame

A kite in the sky
Is going for a fight,
You are not there
It is very beautiful sight.

I have a seed of flower
And we have to grow,
After few days or weeks
Here is very beautiful glow.

Where is the box of coriander
I said " in the cup board."
Do not waste our time
We are playing carrom board.

ABDUL ASAD-CLASS VII

SCHOOL ETIQUETTES

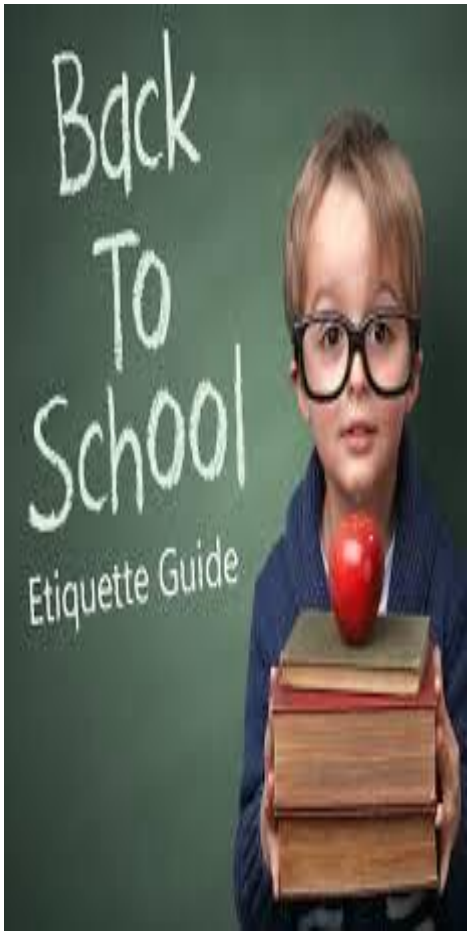

The sun us up,
The sky us red,
Its time to,
Get up from bed

Brush your teeth,
Take a bath,
Dress a well and,
Go to school's path.

Join the assembly,
Do the prayer,
And be friendly,
With all of them.

Wish the teachers,
Do the classes,
Give your best,
To score in test.

Don't roame
Come to home,
Or else study
To get good regards

Bhavesh, Class VII

WHY WE LEAVE HER

Our love mother
She gives us birth
And we leave her
When she become older.

I can't believe
She makes us secure
And gives us relief
But why we leave her.

Gives us food
And does all work
But why we behave rude
In front of her

When she leaves us
Where she made us free
From fear
Then starts the rain of bars.

Himanshu Ray, class VII

ALL ARE HAPPY

Tree is long
The birds come and sit in
The fruit is down the ground
The animals came and eat the fruit
And sing a song
The tiger come and eat the animal
The animal is sad
The tiger is happy
The hunter come and kills the tiger
The tiger is sad
The hunter is happy
The police comes
And holds the hunter
And go to Jail
And hunter goes away in the Jail.
All are happy

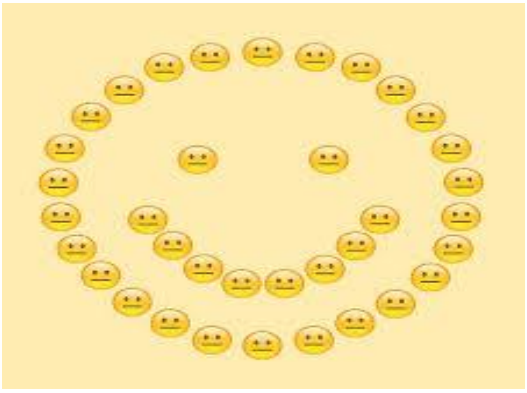

Punit Mittal , Class VII

MY LIFE AND MY FRIENDS AND MY TEACHERS AND MY FAMILY

I am a girl and I am 12 years old. My friends are all girls. My best friends is Vanshika and second friend name is Palak, My third friend name is Angel. My fourth friends is Mehak. My school's name is Kendriya Vidyalaya A.F.S. Chandinagar Baghpat (U.P). My life is very simple. My home name is Kittu and my school name is Kanak. My favorite teachers are four and two sir. My favorite teachers names are Shashi Negi Mam and Sheela Mam and Naresh Sir and Mamraj Sir . Sheela mam teaches us English. Shashi Negi Mam teaches Science and Hindi teacher is Mamraj Sir. My favorite subject is science. My family is my love and my teachers are the best. My sister's name is Aastha and my brother's name is Jatin. I am a simple girl.

Kanak

FUNNY JOKES

1. Boss; Where were you born?
   Employ; India .
   Boss ; which part ?
   Employ ; what 'which part' ? whole body was born in india.

2. Teacher ; Why are you late today ?
   Student ; because of sign down the road.
   Teacher ; What does a sign have to do with you being late ?
   Student ; the sign said, "School ahead , go slow" .

3. If a single teacher can't teach us all the subjects then…….
   How could you expect a single student to learn all subjects ??

4. Teacher ; ''Why are you on the floor ?''
   Danny ; '' because you said to do Maths problem without tables .''

5. Teacher ; 1 book + 1 book ?
   Student ; 2 boks .
   Teacher ; 2 books + 2 books ?
   Student ; 4 books .
   Teacher ; 61789356 books + 26880456 books ?
   Student ; library.

6. Where do books hide when they are scared ?
   Answer :. Under the cover .

7. Peter ; Daddy , I got a hundred marks in school today !
   Daddy ; Why that's wonderful ! for what you got a hundred marks in ?
   Peter ; 30 marks for Maths , 50 marks for English and 20 marks for sSience .
   Altogether 100 marks !

By- Kirtika , VII

CHANGING OPINIONS

At the age of 4 years:- My father is great.
At the age of 6 years:- My father knows everything
At the age of 10 years:- My father is good but he gets angry easily.
At the age of 13 years:- My father was very good when I was a child.
At the age of 19 years:- Oh God! Father is being unbearable.
At the age of 25 years:- My father oppose me in every matter.
At the age of 30 years:- My father should not interfere in my personal matter.
At the age of 40 years:- My son doesn't listen to me while I was quite afraid of my father
At the age of 50 years:- I am amazed how my father bought me up with so much care while I am unable to do that.
At the age of 60 years onwards:- REALLY MY FATHER WAS GREAT !!!

BHAVI, CLASS VIII

MY INDIA

It is the proud which never be defined, Many tried and many died.

But finally we got that victory
Happy Independence day!
For the freedom of the India, Many sent to jail, Many killed by cheat, Of ourselves, And today we are
celebrating the day of 15th August, With the platinum jubilee And remembering those, freedom
fighters.

Abhishek Chaudhary-VII

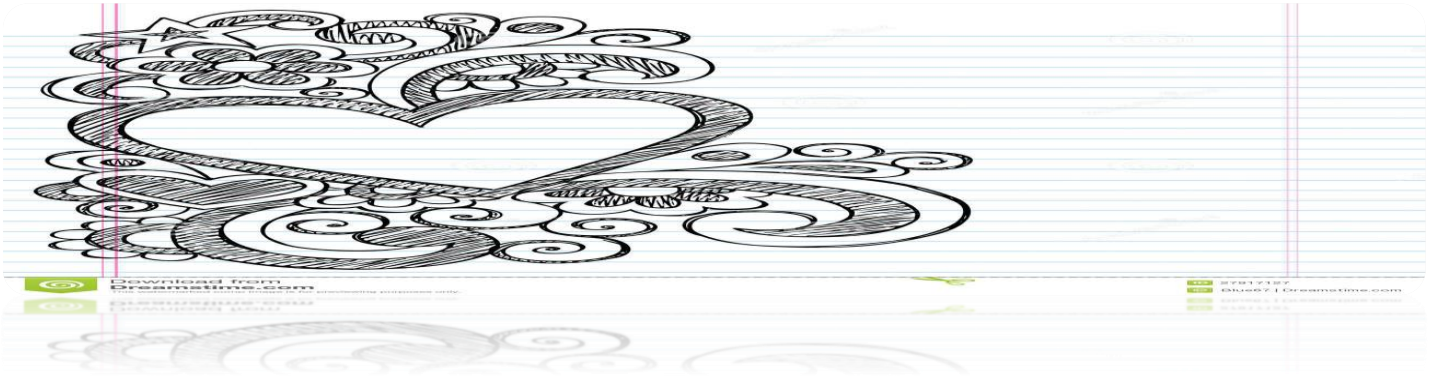

PRINCESS SEPTEMBER

There was once a princess,
She called herself Princess September
She was simple-hearted
And an example of kindness and splendour

One day her beloved parrot died
For which she laid in her room
She was not only sad
But down hearted and gloom

Just then a little bird came
And sang her the prettiest song
The princess stopped crying
And started to sing along

The locked the bird up
And forced him to sing
But he couldn't
For he saw bars of cage at his surrounding

The Princess kept him locked
Till she saw what happened to him
The poor bird fell to the ground
"Please forgive me" she said with a grim

The bird lived and princess was blissed out
She freed him and he took off into the blue
"don't worry, I will visit you"
He said "because I love you!"

VATSALA SHARMA-VIII

Yoga

Yoga is the most favourable method to connect to the nature by balancing the mind-body connection. It is a type of exercise which performed through the balanced body and need to get control over diet, breathing, and physical postures. It is associated with the meditation of body and mind through the relaxation of body.

Shubham Kumar TGT-P&HE

India's G-20 Presidency: A Catalyst for Global Welfare

India has significantly improved her position as a well governed and innovative country with a conducive environment for business in recent years. In 2015, India was ranked 81st in the Global Innovation Index. Now (2022) it has reached the 40th position. It has become the 5th largest economy in the world. Agencies worldwide (World Bank & IMF) continue to project India as the fastest growing economy at 6.5-7.0 percent in FY23.

India has always tried to strive for an inclusive and sustainable development of global economy. This is for the first time that India is going to hold the G-20 Summit.

G-20 is the leading global forum to manage and address the challenges to the global economy. Its membership Includes 19 countries and the European Union. These 19 countries are: Argentina, Australia, Canada, China, France, Germany, India, Indonesia, Itlay, Japan, Mexico, Russia, South Korea, Republic of Korea, Turkey, United Kingdom, United States of America. The G20 members represent around 85 percent of the global GDP, 75 percent of the global trade and about two-thirds of the world population.

G-20 does not have any secretariat and formal structure. Its activities are conducted by a group of three countries known as Troika. The Troika includes the present, past and future chair of the G-20. The present chair India, past chair Indonesia and future chair Brazil will be responsible for carrying out the activities of G-20 in this term.

India's G-20 presidency will enable it to advance and promote its global agenda. The theme of India's G20 presidency is "Vasudhaiva Kutumbakam"- One Earth-One Family-One Future closely ties with LiFE (Lifestyle for Environment).

India will host over 200 meetings in over 50 cities across 32 different workstreams and would have the opportunity to offer G20 delegates and guests a glimpse of India's rich cultural heritage and provide them unique Indian experience. India's special invitee guest countries are Bangladesh, Egypt, Mauritius, Netherlands, Nigeria, Oman, Singapore, Spain and UAE.

This year G20 agenda will be equitable, Inclusive and sustainable development, LiFE, women empowerment, development of digital infrastructure.

As a nation committed to democracy and multilateralism, India's presidency will be a significant milestone as it seeks to find practical global solutions for benefits of all.

Reena Aryaa
PGT Commerce

thank
you